महानगर नई दिल्ली मंगलवार 19 नवंबर, 2019, रु. 5.00 (14 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

जेएनयू छात्रों के संसद मार्च पर लाठीचार्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के विद्यार्थियों के संसद मार्च पर पुलिस ने सफजरजंग मकबरे के पास लाठीचार्ज किया जिसमें कई विद्यार्थी घायल हो गए। इससे पहले विश्वविद्यालय परिसर से सोमवार दोपहर 12 बजे के आसपास शुरू हुए मार्च को दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने रोकने की कोशिश की लेकिन बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों को परिसर में रोका नहीं जा सका।

विद्यार्थियों का यह मार्च छात्रावास शुल्क वृद्धि और शिक्षा के निजीकरण के खिलाफ आयोजित किया गया था। उन्होंने हाथों में तख्तियां और बैनर ले रखे थे।

विद्यार्थियों के प्रस्तावित संसद मार्च को देखते हुए परिसर के सभी द्वारों पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी और भारी बल तैनात कर दिया गया था। सुबह नेल्सन मंडेला और बाबा गंगनाथ मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया और इन दोनों मार्गों पर कई जगह बैरिकेडिंग की गई थी। इतना ही नहीं बाबा गंगनाथ मार्ग पर स्थिति केंद्रीय विद्यालय के पास वाटर कैनन भी तैनात किया गया था। प्रस्तावित बाकी पेज 8 पर

दिल्ली पुलिस ने खंडन किया है कि उसने संसद की ओर मार्च कर रहे जेएनयू के छात्रों को रोकने के लिए लाठीचार्ज का आदेश दिया था। जबकि फीस की बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कई छात्रों को हिरासत में लिया गया और कई छात्रों को चोटें आई हैं। *फोटो : प्रवीन खन्ना*

लोकसभा में उठा जेएनयू में शुल्क वृद्धि का मुद्दा

नई दिल्ली, 18 नवंबर (जनसत्ता ब्यूरो)।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रावास शुल्क वृद्धि का मुद्दा सोमवार को लोकसभा में उठा और बसपा के एक सदस्य ने सरकार के इस कदम को निंदनीय बताया।

बसपा सांसद दानिश अली ने नियम 377 के तहत जेएनयू के विषय को उठाते हुए सदन बाकी पेज 8 पर

एचआरडी ने बनाई समिति

जेएनयू की सामान्य कार्यप्रणाली को बहाल करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय ने सोमवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर वीएस चौहान की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। इस समिति में अखिल भारतीय तकनीक शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे और यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन भी शामिल हैं।

नई दिल्ली में सोमवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों ने संसद मार्च निकाला। उन्हें रोकने के लिए पुलिस के लाठीचार्ज में घायल छात्र।

फारूक को हिरासत में रखने पर लोकसभा में हंगामा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

नेशनल कान्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला को श्रीनगर में हिरासत में रखे जाने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने लोकसभा में सरकार पर निशाना साधा और लोकसभा अध्यक्ष से सरकार को अब्दुल्ला को तत्काल रिहा करने का आदेश देने का अनुरोध किया। इस मुद्दे पर विरोध जताते हुए कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। उनके साथ ही शिवसेना के सदस्य महाराष्ट्र में किसानों के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन लोकसभा की बैठक शुरू होते ही कांग्रेस, नेशनल कान्फ्रेंस, द्रमुक और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने अब्दुल्ला को हिरासत में रखे जाने पर हंगामा बाकी पेज 8 पर

मोदी ने कहा, राकांपा से सीखें पार्टियां

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विपक्षी दलों को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के आचरण से सीख लेने को कहा।

स्थायित्व व विविधता' राज्यसभा की दो विशेषताएं हैं। भारत की एकता की जो ताकत है, वह सबसे अधिक इसी सदन में प्रतिबिंबित होती है।

संसद में विरोध जताने के लिए विपक्षी सदस्यों के आसन के समक्ष आ कर नारेबाजी करने के चलन की ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने दल भाजपा सहित सभी राजनीतिक पार्टियों को बीजू जनता दल (बीजद) एवं राकांपा से सीख लेने की नसीहत देते बाकी पेज 8 पर

सोनिया से मुलाकात के बाद पवार ने कहा

महाराष्ट्र के सियासी हाल पर की चर्चा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

महाराष्ट्र में शिवसेना के अगुआई में कांग्रेस व राकांपा गठबंधन सरकार की खिचड़ी अभी पूरी तरह नहीं पकी है। सरकार के गठन में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। हालांकि इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष गांधी से उनकी सरकार गठन पर नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के राजनीतिक हालातों पर चर्चा हुई है।

दूसरी ओर सोनिया-पवार मुलाकात के बाद कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, 'शरद पवार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की और उन्हें महाराष्ट्र की स्थिति के बारे में जानकारी दी। बैठक में यह तय किया गया कि एक या दो दिन में राकांपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली में बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।'

कांग्रेस के आधे से ज्यादा विधायक सरकार गठन के पक्ष में
बैठक में तय किया गया कि एक या दो दिन में राकांपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि दिल्ली में बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

शरद पवार ने कांग्रेस अध्यक्ष से मिलने के बाद संवाददाताओं से कहा कि सोनिया गांधी के साथ राज्य के राजनीतिक हालात को लेकर बात हुई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी उनसे कई मुद्दों पर भी बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि सबकी राय लेकर आगे की बाकी पेज 8 पर

न्यायमूर्ति बोबडे बने देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली, 18 नवंबर (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे ने सोमवार को देश के 47वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। निजता के अधिकार के प्रबल समर्थक न्यायमूर्ति बोबडे ने अनेक महत्त्वपूर्ण फैसले सुनाए हैं और वे अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में ऐतिहासिक निर्णय सुनाने वाले संविधान पीठ के भी सदस्य रहे हैं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन के दरबार कक्ष में आयोजित संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति बाकी पेज 8 पर

सियाचिन में हिमस्खलन, सेना के आठ जवान दबे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

सियाचिन ग्लेशियर में सोमवार को दोपहर बाद साढ़े तीन बजे हुए हिमस्खलन में सेना के आठ जवान बर्फ में कई फीट नीचे दब गए। कराकोरम पर्वत शृंखला के पास 18 हजार फीट की ऊंचाई पर आए बर्फीले तूफान की चपेट में सेना का गश्ती दल आ गया।

हिमस्खलन के बाद फंसे जवानों को निकालने के लिए सेना ने युद्ध स्तर पर तलाश एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया है। हिमस्खलन की चपेट में आकर भारतीय सेना की कई चौकियां भी तबाह हो गई हैं, हालांकि उन चौकियों पर तैनात सैनिकों को बचा लिया गया है।

सियाचिन ग्लेशियर को दुनिया के सबसे ऊंचे सामरिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस कठिन क्षेत्र में सोमवार दोपहर बाद अचानक आए हिमस्खलन बाकी पेज 8 पर

एअरटेल व वोडाफोन-आइडिया की दरें बढ़ेंगी

नई दिल्ली, 18 नवंबर (भाषा)।

दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां एअरटेल और वोडाफोन आइडिया ने दिसंबर से मोबाइल सेवाओं की दरें बढ़ाने का फैसला किया है।

दोनों कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भारी घाटा

एअरटेल ने कहा है कि अपने कारोबार को व्यवहारिक बनाने के लिए दिसंबर से अपनी मोबाइल सेवाओं की दरें बढ़ाएगी जबकि कर्ज तले दबी वोडाफोन आइडिया ने कहा कि अपने ग्राहकों को विश्वस्तरीय डिजिटल अनुभव सुनिश्चित करने के लिए कंपनी एक दिसंबर, 2019 से अपने टैरिफ के दाम बढ़ाएगी।

एअरटेल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के साथ काफी पूंजी की बाकी पेज 8 पर

ओली ने कहा, कालापानी से फौज हटाए भारत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत सरकार द्वारा जारी नए राजनीतिक नक्शे पर आपत्ति जताई है। नक्शे में भारत-नेपाल-तिब्बत के ट्राइ-जंक्शन पर स्थित कालापानी के चित्रण को लेकर उन्होंने आपत्ति जताई और कहा कि भारत वहां से अपनी सेना तत्काल हटा ले। उन्होंने कहा कि कालापानी नेपाल की जमीन है। काठमांडो में दिए उनके इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने संयत प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि नए नक्शे में भारत के संप्रभु क्षेत्रों का सटीक चित्रण है और किसी भी बाकी पेज 8 पर

भारत-नेपाल-तिब्बत के तिराहे पर स्थित जगह को लेकर नेपाल ने खड़ा किया विवाद

नेपाली प्रधानमंत्री ओली ने दावा किया कि नेपाल-भारत और तिब्बत के ट्राई जंक्शन पर स्थित कालापानी का इलाका उसके क्षेत्र में आता है।

1929 से भारत का हिस्सा

नेपाल का दावा है कि वर्ष 1816 में उसके और तत्कालीन ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई सुगौली संधि के मुताबिक कालापानी उसका इलाका है। हालांकि इस संधि के अनुच्छेद पांच में कहा गया है कि नेपाल काली नदी के पश्चिम में पड़ने वाले इस इलाके पर अपना दावा नहीं करेगा। 1929 में कालापानी को भारत का हिस्सा घोषित किया गया और नेपाल ने भी पुष्टि की थी।

लगातार चौथे साल दस लाख से अधिक छात्र अमेरिका पहुंचे **आंकड़े** अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छात्रों का योगदान 44.7 अरब

अमेरिका जाने वाले छात्रों में भारतीय दूसरे नंबर पर

वाशिंगटन, 18 नवंबर (भाषा)।

भारत ने वर्ष 2018-19 में दो लाख से अधिक छात्रों को अमेरिका भेजा जबकि चीन लगातार दसवें साल सर्वाधिक छात्रों को अमेरिका भेजने वाला देश बना हुआ है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट '2019 ओपन डोर्स रिपोर्ट ऑन इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सचेंज' के मुताबिक अमेरिका में विदेशी छात्रों की संख्या अकादमिक वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक रही। यह लगातार चौथा वर्ष है जब दस लाख से अधिक विदेशी छात्र अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2018 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का योगदान 44.7 अरब डॉलर रहा जो पूर्ववर्ती वर्ष के मुकाबले 5.5 फीसद अधिक है। हालांकि चीन वर्ष 2018-19 में 3,69,548 छात्रों के साथ लगातार दसवें साल अमेरिका में विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इस अवधि में भारत ने 2,02,014 छात्रों को अमेरिका भेजा, यह संख्या चीन के बाद सर्वाधिक है।

रिपोर्ट

भारत ने 2018-19 में दो लाख से अधिक छात्रों को अमेरिका भेजा
विदेशी छात्रों में से 50 फीसद से अधिक छात्र भारत और चीन से

अमेरिका जाने वाले कुल विदेशी छात्रों की संख्या 10,95,299 रही जो पिछले वर्ष के मुकाबले 0.05 फीसद अधिक है और अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कुल छात्रों का 5.5 फीसद है।

कुल विदेशी छात्रों में से 50 फीसद से अधिक छात्र भारत और चीन से हैं। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशल एजुकेशन और विदेश मंत्रालय के ब्यूरो ऑफ एजुकेशन ऐंड कल्चरल अफेयर्स की ओर से जारी की गई है।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is for general information that I, Mannu Verma son of VIJAY VERMA residing at F-389 Sudershan Park, New Delhi-110015, informs that name of my mother has been wrongly as SUMAN in my all Educational documents. The actual name of my mother is REKHA VERMA respectively, which my be amended accordingly. 0040520943-10

I,Vikram Singh Saini,S/o Sh.Sardar Singh Saini R/o-H.No.1240, Gali.No.5, East-Rajiv Nagar, Gurgaon, Haryana, have changed my name to Vikram Saini.for all future Purposes. 0040520917-1

I,Sudershana Hans W/O Satish Hans Hno.678, Main Market, Subzi Mandi, Clock Tower, Delhi-110007. Changed my Name to Sudarshana Hans. 0040520930-2

I,Meenu Gupta,W/O-Shri Deepak Jindal, R/O-D-43, Green Valley-Apartments, Third-Floor, Sector-18, Rohini, Delhi-110089, have changed my name to Nikita Jindal. 0040520917-4

I, Vipul & Vipul Sahrawat W/o Sanjeev Mahajan R/o F-63, Mansarover Garden, N.Delhi-110015 have changed my name to Vipul Mahajan. 0040520933-5

I, Vipin Kumar S/o Ram Kishan Rana R/o-WZ-44 Plot No-3 Mukherjee-Park Tilak Nagar Delhi have change my name to Vippen Kumar. 0040520917-10

I, Vinod Kumar S/o.Late Mai Dhan Agarwal R/o-388, Sector-31,Amar Nagar, Faridabad-121003, have changed my name to Vinod Kumar Agarwal. 0040520943-1

I, Versha Shree W/O Abhishek H.no.28, Pocket-D-14, Sector-7, Rohini, Delhi-110085. Have Changed My Name To Varsha Shri. 0040520930-1

I, Tejaswani D/o Rajesh Sindhu R/o A-25, Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Tejaswani Sindhu for all purposes. 0040520874-1

I, Tajinder Singh Narang S/o Late Kartar Singh Narang R/o SH-26/400, New Moti Nagar, New Delhi-110015, have changed my name to Tajinder Singh. 0040520885-1

I, Sunil Narula, S/o Om Parkash Narula, R/o 3, 3rd Floor, Ram Vihar Delhi-110092 have changed my name to Sunil Kumar Narula for all future purposes from 18.11.2019. 0040520872-1

I, Sucheta Rani D/o D.V.S. Chauhan R/o-D-10/2, Ground Floor, Ardee-City, Sector-52, Gurugram-122001 have changed my name to Sucheta Chauhan. 0040520933-7

I, Shrivastava Kushagra Satyaprakas / Shrivastava Kushagra SatyaprakashS/o Satyaprakash Srivastava R/o B-79, Bhagyalaxmi, Nr. Samta Flats, Subahanpura,Vadodara, Gujarat-390023 have changed my name to Kushagra SatyaprakashShrivastava. 0040520906-2

I, Surinder Singh Thukral S/o Late Sh.Kulwant Singh R/o 97-A, MIG Flats, DDA, Rajouri Garden, West Delhi, Delhi-110027 have changed my name to Surinder Singh for all purposes. 0040520868-1

I, Shiwani W/o Kamal Bhasin R/o H.no.2/360, Gali No.7, New Patel Park, Line Par, Bahadurgarh hereby inform & undertake that my name had been changed from Shiwani to Riya after marriage for all purposes. And Shiwani and Riya is same person. 0040520879-1

I, Sarbjeet Kaur W/O Gurbachan Singh R/O-8/34, Sahdev-Gali, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032. Changed My Name To Sarabjeet Kaur. 0040520943-8

I, Sanjeev Kumar S/o Ram Kishan R/o-C-9/511, Sultan puri, Delhi-110086 is also known as Sanjay Khidwaliya in public life.That Sanjeev Kumar and Sanjay Khidwaliya both are one and the same person. 0040520933-6

I, Sangeeta Pawan Vikrant S/O Pawan Kumar Singhal., R/O-403, Ground-Floor, Indraprastha Colony, Sector-30-33, Faridabad, Haryana-121003. Changed My Name To Vikrant Singhal. 0040520943-5

I, Sandeep S/o Rattan Singh H.No.198, Prajapati Mohalla, Tughlakabad-Village, Delhi-110044 have changed my name to Sandeep Kumar. 0040520917-8

I, Jyoti Bala alias Jyoti,W/o-Puneet Arora, R/o-H-102 Old Gupta Colony Delhi-110009, have changed name Jyoti Arora for future. 0040520917-2

I Aman Kumar Chaurasia S/O Narender Kumar Chaurasia R/O-471 St.No-3 Main-Shyam Park Sahibabad-Gzb Up-201001 Have Changed My Name To Sahil Chaurasia. 0040520930-5

I Karan Kumar S/o Ashok Kumar R/o. D-775, JJ Colony, Madipur, N.D-63 have changed my name to Karan Moriya. 0040520930-6

व्यक्तिगत

I, S. Rohini D/O V Sunder R/O 1828, Laxmi Bai Nagar, NDMC, Delhi-110023 Have Changed my Name to Rohini Singh. 0040520917-9

I, Rupinder Singh S/O Surinder Singh R/O-Flat No.44, Sfs, Phase-IV, Ashok Vihar, Delhi-110052. Changed My Name To Rupinder Singh Sahota. 0040520930-4

I, Ravinder Prasad S/o Jai Kishun Shah R/o-RZ-E-2B, JaiVihar, Phase-1, Najafgarh, Delhi-110043, changed the name of my minor daughter Kusum to Sneha Kumari. 0040520917-7

I, Ranjana Sharma W/o Late.Mohan Lal Sharma R/o-DG-2, Flat.No.91C, Vikaspuri, Delhi-110018, have changed my name to Ranjana. 0040520931-2

I, Ram Milan Pal S/O, Ram Lakhan R/o L Ext. 60 Som Bazar Road Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi 110059 have changed my name to Ram Milan for all purposes. 0040520900-1

I, Rakesh Kumar s/o Dalel Singh R/o-WZ-799/3C, Badiyal-Palam Village, New Delhi-110045, have changed my name to Rakesh Solanki Permanently. 0040520931-4

I, Prem Sheela W/O Abhishek Ranjan R/O G-4/22, Sector-11, Rohini, Delhi-110085. Have Changed My Name To Premshila. 0040520930-3

I, Pooja Sharma D/o Shiv Kumar Sharma R/o H.No. 62, IInd Floor, Street No.1, Shyam Nagar Parwana Road Delhi-110051 have changed my name to Aaradhana Sharma for all future purposes. 0040520867-1

I, Nizamuddin Ansari S/O Khalil Ansari R/OH.No-366, Phase-2, Pocket-13, Sector-B-4, Tikri-Khurd Narela Delhi-110040, changed my name to Nijamudin Ansari. 0040520931-3

I, Mohan Negi S/O Jasram Negi, House No-207,Site-III, Vikaspuri, N.Delhi-110018. Changed My Name To Mohan Singh Negi. 0040520943-7

I, Meenu W/o Sanjay Sharma R/o-DG-2, Flat No.91C, Vikas puri, Delhi-110018, have changed my name to Meenu Sharma. 0040520931-1

I, Mahender Singh S/o Bheem Singh Negi R/o B-1, Saraswati Vihar, Ajabpur Khurd, PO Ajabpur Kalan, Dehradun-248121 Uttarakhand have changed my name from Mahender Singh to Mahender Singh Negi for all future purposes. 0040520871-1

I, Sangita Singhal W/O Pawan Kumar Singhal R/O-403, Ground-Floor, Indraprastha-Colony, Sector-30-33, Faridabad, Haryana-121003. Changed My Name To Sangeeta Singhal. 0040520943-4

I, Lela Singh S/o Roshan Singh R/o C-153, C-Block, Vikas Vihar, Kakrola, New Delhi-110078 have changed my name from Lela Singh to Lilu Singh for all future purposes. 0040520875-1

I, Leena W/O Harish Sharma R/O-412a, Pana Dhaniwara, Near Panchayat Ghar, Auchandi Road, Bawana, Delhi-110039. Have Changed My Name To Leena Sharma. 0040520943-9

I, Lal Mohan S/o.Late Sh.Khoob Lal Mahto R/o 132 Block-O, Delta-3, Greater-Noida Sakipur Gautambuddha-Nagar Uttar-Pradesh-201306, have changed my name to Lal Mohan Mahto permanently. 0040520931-5

I, Krishan Pal, S/O-Shri Bishamber Singh, R/O-G-126, Gaur Sports Woods, Sector-79, Noida-U.P., have changed my minor daughter name from Sharnya Sahay to Shreshtha Singh. 0040520917-3

I, Km.Nazia Jameel W/O Shah Faihad. R/O-F-A7, Shaheen Bagh, Abul-Fazal Enclave Part-2, Jamia-Nagar, N.Delhi-110025. changed My Name To Nazia. 0040520943-2

I, Km. Sheebaran Edward W/o Rockwell Affred R/o 1786, Galo No.7, Near Pooja Masala Store, Gobindpuri Extension, Kalkaji, Delhi-110019, have changed my name to Sheeba Rockwell for all future purposes. 0040520873-1

I, Kamlesh Devi D/o Sh.Basant Lal W/o Sh.Praveen Kumar R/o House No.541, Third Floor, Bhai Parmanand Colony, West Mukherjee Nagar, North West Delhi-110009 have changed my name to Kamlesh for all purposes. 0040520868-3

I, Kamla Singh spouse of Ashok Kumar Singh R/o Village-Bhawani Pur, Post-Anaura Via Chinhat, District Lucknow-226028, have changed my name from Kumari Kamla Singh to Kamla Singh as per PAN card for future reference. 0040520881-1

I Sandeep Pandey S/O Shri Raghu Nath Pandey R/O-E-91, Gali.No-5, Ganesh-Nagar Complex, PANDAV Nagar Delhi-110092 Have Changed My Minor Son Name Subh Pandey To Pranjal Pandey. 0040520933-1

I Gauri W/o Amit Behari Lal Saxena R/o-A-100, Ground Floor,Shivalik Malviya Nagar,South Delhi-110017, have changed my name Gauri Jaiswal for all purpose. 0040520876-2

I, Kamal Pratap Singh S/o Shyam Pratap Singh R/o H.No.466, VillageRampur, Bulandshahr, UP-202389 have changed my name minor son's name fromJeevansh Pratap Singh Raghav to Jeevansh Raghav whose age is 5 Years & 7Months. 0040520906-3

I, Jitender Thakurani, R/O-100/5, Main-Road, Rashid-Market, Krishnanagar, Delhi-110051. Changed My Minor Son Name Pavitra Kumar Thakurani To Pavitra Thakurani. 0040520943-6

I, Jasmeet Singh Bindra S/o-Inderjeet Singh Bindra R/o-69, Hemkunt-Colony, Delhi-110048. Changed the name of my minor daughter Suhani to Suhani Bindra. 0040520917-5

I, Jasmeet Singh Bindra S/o Inderjeet Singh Bindra R/o 69, Hemkunt-Colony, Delhi-110048, changed the name of my minor daughter, Ruhani to Ruhani Bindra. 0040520917-6

I, Irfan Zaidi R/o 9, Natraj Apartments, Plot No.67, I.P. Extension, Patparganj, Delhi-110092, have changed the name of my son from Mohammed Ali Zaidi to Danyal Zaidi for all purposes. 0040520883-1

I, ILTAF RAZA S/o MOHD ZAKIR HUSSAIN R/o C-38, Gali No.13, Shastri Park, Delhi-110053, inform that my name & my father name have wrongly written in my school record as INTAF RAZA and MOHD. JAKIR HUSSAIN. 0040520878-1

I, Hemant Kumar s/o Kunwarsain, plot no. 46-A,P-EXTN, Mohan Garden, West Delhi, Delhi 110059 have changed my name to Hemant Sehgal 0070684105-1

I, Guru Prasad @ Guru Prashad @ Guru Parshad @ Guru Prasad Sharma S/o Late Sh.Kishan Sharma R/o 52, 1st Floor, ABC Complex, Laxmi Nagar, Vikas Marg, Vijay Block, Laxmi Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Guru Prasad for all purposes. 0040520868-2

I, Gurneet Singh S/O Joginder Singh R/O-2250, Guru Nanak-Nagar, New Ranjeet-Nagar, Delhi-11008. Have Changed My Name To Gurmeet Singh. 0040520931-7

I, Gulab Singh S/o Sh.Dugla Ram R/o-739, Type-2, Sector-2, Sadiq Nagar New Delhi-49 have changed my name Gulab Singh Thakur to "Gulab Singh" for all future purposes. 0040520931-6

I, Farooq Ahmed Wani S/o, Abdula Aziz R/o-D-73, 3rd Floor, Defence Colony, Delhi-110024,have changed my name to Haji Farooq Ahmed Wani. 0040520933-4

I, Ekram Khan S/o Mohamad Nizam Khan R/o-A/J6 Shyam Park Extension Sahibabad Ghaziabad-201005 UP, changed my name to Mohammad Ekramkhan. 0040520930-7

I, Dheeraj Sharma S/o Satya Narain Sharma R/o-G-248 Preet Vihar Delhi-110092, have changed the name of my minor son Hrishik Sharma (Aged-7-Years) and he shall hereafter be known as Rishik Sharma. 0040520901-2

I, C. Senthil Kumar@ Chinnamuthu Senthil Kumar, S/o Sh.Natchimuthu Chinnamuthu, R/o H.No.-131/22, Gali No.-11, Gandhi Nagar, Gurgaon-122001, Haryana have change my name to Shyam Senthil Ganesh for all purposes. 0040520930-9

I, Avinash Kumar Bawane S/o Hiraman Nathuji Bawane R/o Plot No.42,Vinkar Colony, Manewada Ring Road, Nagpur City, Maharashtra-440027 havechanged my name to Avinash Bawane. 0040520906-1

I, Ashotosh Aggarwal S/O Hari Chand Aggarwal. R/O-3066/11-A, First-Floor, StreetNo-10, Ranjeet Nagar, Patel Nagar, N.Delhi-110008. Changed My Name To Ashutosh Aggarwal. 0040520943-3

I, Ashima Alok R/o 207, Regent, Supertech Estate. Sec 9 , Vaishali , Ghaziabad 201010 have changedmy name to Ashima Sethi. 0070684103-1

I, Amarendra Kumar Rakesh R/o-F-503, Signature View-Apartment, Dr.Mukherjee-Nagar, DDA-Multistoried Building, N.Delhi-110009,have changed my minor daughter's name Charita to Charita Singh. 0040520933-2

I, Abhishek Yadav S/o Naresh Kumar Yadav R/o-H-195-A Dilshad Garden, Delhi-110095, have changed my name to Abhishek Singh Yadav for all purposes. 0040520901-1

I Virender Kumar alias Virender Kumar Manchanda S/o Bhagwan Dass Manchanda R/o-C-62, Rajouri-Garden Delhi-27. have changed my name to Virender Manchanda both are same person. 0040520930-10

I Triputjeet Singh Matharu S/o Balbir Singh Matharu R/o WZ-274, Plot No.D-3/121 Navyug Block Vishnu Garden New Delhi-110018 have changed my name to Tripatjeet Singh Matharu. 0040520930-8

I,Raj Kanwar S/o Shri Daya Chand R/o-House.No.-99, Village-Jind Pur, Delhi-110036,have changed my name to Raj Kumar for all future purpose. 0040520933-3

व्यक्तिगत

I Manoranjan Kumar S/o Santosh Kumar Yadav R/o A-204, Pandara Road, Delhi-110003, have changed my name to Ranjan Kumar. 0070684107-1

It is for general information that I,Yogesh Kumar S/o Jagdish Kumar R/o-1/2665 Gali No.2, Loni Road, Ram Nagar, Shahdara Delhi-110032, inform that name of my father & my mother has-been wrongly written as Jagdish Lal & Deepika Gupta in my Educational Documents.The actual name of my father & my mother are Jagdish Kumar & Deepika which may be amended accordingly. 0040520901-4

खोया+पाया

I, Pawanjit Kaur Bhatia w/o Gurcharan Singh Bhatia, have lost Original Lease Deed of Property No.B-39, F.F., Middle Circle, Connaught Place, New Delhi, with Syndicate Bank, duly Registration No.18479 dated 20.09.2012, If found Pls. Contact: 9811075010 0040520889-1

I, Rajinder Singh Bisht S/o Mohan Singh Bisht R/o-A-3/1502, CLEO County,Sec-121, Noida,have lost Original, Allotment Letter & Building Buyer Agreement bearing, property B-2/901,Cherry County,Greater Noida West, UP. 0040520876-1

I, Tanveer S/o Horilal R/o H.No-7 Pawan Vihar Khora Colony Ghaziabad UP have lost my original certificate class-10th(2010) Rollno-5250929 class-12th(2012) Rollno-5651239 CBSE-Allahabad. 0040520933-10

I, Utkarsh vishnoi S/o Akhilesh vishnoi R/o-2nd-b, 302, Sec-2, ground floor, Vaishali, Ghaziabad, have lost my original-certificate Class-10th Year-2016 Rollno-8152900 CBSE-Delhi. 0040520931-9

It Is To Notify That My Original-Qualifying Graduation-Degree In The Year-2013 And Roll No.D-10 Bibf-029 Issue By Jamia Millia Islamia University Has Been Actually Lost.Name-Mohd Shahbaz S/O-Anjum Zia Khan, Address:-11/5, Noor-Nagar, Jamia-Nagar, Okhla,Delhi-110025, Mob-9540013867. 0040520931-8

Lost Original Property Documents Allotment Letter, Possession Letter, D-Form Pereptual Lease of C-6/316 Yamuna Vihar, Delhi-110053 Leela Devi W/o Late Ramnath Vashisht. 0040520901-3

I, HIMANI Khulbe D/o Ramesh chand R/O-flat no-1230 Tulsi Niketan Bhopra Sahibabad Ghaziabad UP-201005, have lost my original certificate class-10th year-2016 Rollno-8170513 CBSE-Delhi. 0040520931-10

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल मुकेश पुत्र स्वर्गीय कर्ण सिंह और मुवक्किला कविता पत्नी मुकेश निवासी सी-7/185, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 ने अपने पुत्र आकाश को समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।

पंकज कुमार पांडेय
एडवोकेट
High Court,
New Delhi

PUBLIC NOTICE

Public at large hereby informed that my client Mr. Zameer Ahmed S/o Sh. Mazharuddin R/o B-38, F.F., Nizamuddin West, N.D. has debarred, disowned, disinherit his son namely Mr. Subhaib Ahmed and his wife Mrs. Ayesha Begum and their child Hajara Zannat from all his movable and immovable properties due to their disobedience, misconduct, misbehaviour, adamant attitude and quarrelsome nature. My client has also severed and disconnected all his relationship with them. If anyone deals with them, he/she/they will do so at his/her/their own, risk, cost and consequences. My client shall not be responsible in any manner whatsoever for the same and shall have no liability and responsibilities in future.

Nisheeth Anand Advocate
Office : F2/B-266, Shalimar Garden Main, Delhi, NCR of Delhi

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed that my client Shri Dularchand Mehto S/o Late Shri Shivbalak Mehto, R/o K-875/10, Road No.19A, Sangam Vihar, New Delhi-110062 has disowned his son namely Rajender Mehto and his wife Renu of his freewill and consent, from all his moveable and immovable properties, as they were not according to their temperaments, as well as were beyond his control. My client has already thrown out his son namely Rajender Mehto from his property bearing No. K-875/10, Road No.19A, Sangam Vihar, New Delhi-110062 on 28.07.2019 and the son of my client namely Rajender is residing separately, which is not known to my client. So my client severe all relations with his son namely Rajender Mehto and his wife Renu and disown them from his inheritance absolutely. And whosoever will deal with Rajender Mehto and Renu, will be doing so at his own risk and responsibility and my client and his family shall not be liable for their acts.

PUSHPENDU SHUKLA (Advocate)
Ch. No. 345, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री चन्द्रपाल सिंह सोलंकी पुत्र श्री सरदारा सिंह सोलंकी व इनकी पत्नि श्रीमति रामेश्रवरी देवी निवासी मकान न० ई-121/5, गली नं.5, ई-ब्लॉक, खजूरी खास, दिल्ली-94 ने अपने पुत्र गौरव सोलंकी व उसकी पत्नि नमिता को उनके बच्चे (वंश) सहित उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके किसी भी गलत कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नही होगे।

Ashish Kumar Upadhyay Advocate
Off. : E-223, Main Road, Khajuri Khas, Delhi-94

सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला श्रीमती राजरानी पत्नी श्री स्व. आजाद सिंह पता-एच-7, ब्लाक-एच, लक्ष्मी पार्क, कुंवर सिंह नगर, नांगलोई, दिल्ली-110041 ने अपने पुत्र सुमित व उसकी पत्नी अंजू के दुर्व्यवहवार के कारण उन्हें व उसके पुत्र मानिक पंचाल को अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करके उनसे अपने पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में उनके किसी कृत्य के लिए मेरी मुवक्किला व परिवारजन उत्तरदायी नहीं होंगे।

MUKESH GUPTA - ADVOCATE
Office-653, Sector-A-6, Pocket-7, Narela, Delhi - 110040

PUBLIC NOTICE

That my client VIJAY PAL DABAS, S/O Khnajan Singh R/O House no. 102 Mubarak Pur Dabas, Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi-110081, has disowned/debarred his son RAHUL DABAS, S/O Vijay Pal Dabas R/O Ganja pana Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi- 110081 from his all movable and immovable properties and served all relations from him due to misconduct, hostile behavior. That my client Vijay Pal Dabas will not be liable for any act i.e. legal or illegal in any manner done by his own son Rahul Dabas in future.

MAHAVIR SHARMA & CHARUL CHAUDHARY (Advocate)
Ch. No. 1113, Rohini Court, Delhi-85

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my clients Sh. Kamal Singh, S/o Sh. Deepchand, and Smt. Santosh, w/o Sh. Kamal Singh, Both R/o 103-M, Zamrudpur, New Delhi-110048, have disowned and debarred their sons namely **Sh. Devender Singh**, S/o Sh. Kamal Singh, and **Sh. Pramod Singh**, S/o Sh. Kamal Singh, from all of their movable and immovable properties and have severed all their relations from them. As such from today onwards, my clients and their family shall have no relations with their aforesaid sons and their respective wives nor shall be responsible for any of their actions.

ABHISHEK SETHI (Advocate)
Ch. No. 542-F, Saket Courts, New Delhi-17

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client SUMITRA DEVI W/O LATE KALI CHARAN R/O H. NO. 260, GALI NO. 18, NEAR NDPL OFFICE SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084 has disowned their son namely MOHIT KUMAR (ABOUT 31 YEARS) and his wife SMT. SHIKAH from their entire movable and immovable properties as they have gone out of control of my client and their entire family has severed all the relations from them. If anybody deals with him and with his wife it shall be entirely at their own risks, cost and consequences. My client shall not be responsible in any manner for any kind of his deed, act and conduct.

Sd/-
(VIRENDER SAROHA)
ADVOCATE

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client SUMITRA DEVI W/O LATE KALI CHARAN R/O H.No. 260, GALI NO 18 NEAR NDPL OFFICE SANT NAGAR, BURARI, DELHI-110084 has disowned their son namely MOHIT KUMAR (ABOUT 32 YEARS) and his wife SMT. KAVITA & KAVITA CHAUHAN from their entire movable and immovable properties as they have gone out of control of my client and their entire family has severed all the relations from them. If anybody deals with him and with his wife it shall be entirely at their own risks, cost and consequences. My client shall not be responsible in any manner for any kind of his deed, act and, conduct.

Sd/-
(VIRENDER SAROHA)
ADVOCATE

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public through this Notice that my client Mohd. Mukeem S/o Hakimudeen (hereinafter referred as my client), aged about 44 years R/o 40A, Gali no. 10, D-Block, Deenpur Extension, Najafgarh, New Delhi- 110043; has disowned, debarred and disinherit his son namely Mohd. Amir, aged 20 years from his moveable and immovable property because the above named Mohd Amir is out of control of my client.

Anyone dealing with him may do so at his/her risk, cost and consequences and my client shall not be responsible for his act whatsoever. The above named Mohd. Amit has no title, right or interest in any property of my client whether it is moveable or immovable.

Sd/-
AKIL RATAEEYA
(ADVOCATE)

PUBLIC NOTICE

MY CLIENTS **SMT. PARMILA DEVI & VIRENDER SINGH BOTH R/O H.N: 474, PRADHAN WALI GALI, PRAHLADPUR BANGAR, DLEHI** SEVERE ALL RELATIONS & DEBAR THEIR SON **ASHWANI MANN** FROM ALL MOVABLE-IMMOVABLE PROPERTY (S) DUE TO THEIR MISCONDUCT. MY CLIENTS WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ANY ACTS. ANYBODY DEALS WITH THEM SHALL DO SO AT HIS/HER OWN COST.

Sd/-
JUGNU SAINI
ADVOCATE

PUBLIC NOTICE

My clients Smt. Sonia Sahani W/o Shri Ramhit Sahni Resident of flat No. 140, Pocket-40, Near Arya Samaj, Chitranjan Park, New Delhi-110019 severe all relation & debar her son Sandeep Sahni and his wife from all Movable-Immovable properties due to their misconduct and misbehavior, My client will not be responsible for their any acts in future whatsoever.

Sd/-
MANOJ SHISHODIA
Advocate
Ch. No. 306, Saket Corut New Delhi

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I **KARAN S/O RAM KISHAN Residing at 3/583, Dakshinpuri, Dr. Ambedkar Nagar, Delhi- 110062,** declare that name of my father has been wrongly Written as **GUDDU** in my **SCHOOL EDUCATIONAL DOCUMENT**. The actual name of father is **RAM KISHAN** respectively which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with others legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

Be known to all that Smt. Prem Rani W/o Sh. S.K. Chaudhary R/o C-2/134, Janak Puri, New Delhi has represented that she is the owner of the built up property. Plot No.B-22, Mayapuri, Phase-II, Rewari Line, Industrial Area, New Delhi, which my client intended to purchase and entered into an agreement with her. That she has represented that the property is free from encumbrances and, as such, if anyone has any claim against the said property of any nature whatsoever, the same be notified to the undersigned within 15 days of the present publication, failing which, believing her representations as stated above as true and correct, my client shall further proceed to complete the sale and thereafter no claim whatsoever of any party shall be entertained towards the said property.

S.C. Singhal (Advocate)
Ch. No.:262, Lawyer's Chambers, High Court of Delhi, New Delhi-110003

नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ पूर्वोत्तर में प्रदर्शन

गुवाहाटी/शिलांग/आइज़ोल/ईटानगर/कोहिमा, 18 नवंबर (भाषा)।

प्रस्तावित 'नागरिकता (संशोधन) विधेयक 2019' के खिलाफ पूर्वोत्तर राज्यों में सोमवार को प्रदर्शन हुए। विरोध रैलियां संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन निकाली गई हैं। इस विधेयक को इसी सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

गुवाहाटी में विभिन्न स्थानों पर धरने दिए गए और युवा संगठन एजेवाईसीपी ने राज्य के विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल का पुतला दहन किया। ये प्रदर्शन नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (एनईएसओ) और इसके घटक 'कृषक मुक्ति संग्राम समिति', 'असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद्' (एजेवाईसीपी) और 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक मंच', असम समेत अन्य ने आयोजित किया था। एनईएसओ के तहत क्षेत्र के छात्र संगठन आते हैं। एनईएसओ ने पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपालों के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को नागरिकता (संशोधन) विधेयक के खिलाफ ज्ञापन भेजे।

एनईएसओ और एएएसयू ने अन्य के साथ मिलकर गुवाहाटी के उज़ान बाजार में अपने मुख्यालय से राजभवन तक रैली निकाली और विधेयक के खिलाफ नारेबाजी की। एनईएसओ और एएएसयू के सलाहकार समुज्जल भट्टाचार्य ने कहा, 'असम और पूर्वोत्तर अवैध बांग्लादेशियों के लिए डंपिग ग्राउंड नहीं है। असम समझौते के तहत हम पहले ही 1971 तक असम में अवैध तरीके से घुसने वाले हिंदू और मुसलिम दोनों ही बांग्लादेशियों को अपना चुके हैं। हम अब उस साल के बाद असम में घुसने वालों को नहीं अपनाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार 2014 को कट ऑफ तारीख तय करके 43 सालों में देश में घुसने वाले अवैध बांग्लादेशियों को असम पर थोपने की कोशिश कर रही है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। हम इसका विरोध करते हैं।' भट्टाचार्य ने कहा, 'यह आंदोलन असम और पूर्वोत्तर में चलता रहेगा।' विधेयक के कानून बनने से बहुत सी समस्याओं के हल होने के असम के मंत्री हिमंत बिस्व सरमा और अन्य के दावे पर भट्टाचार्य ने कहा, 'वे भाजपा का वोट बैंक सुरक्षित रखना चाहते हैं। वे (भाजपा) अवैध बांग्लादेशियों का वोट चाहते हैं। उनके पास दिल्ली (संसद) में संख्या बल है और वह विधेयक को हम पर थोपेंगे। हम नागरिकता संशोधन विधेयक को स्वीकार नहीं करेंगे। इसलिए हमने विधेयक के खिलाफ आंदोलन शुरू किया है।'

मेघालय के उग्रवादी संगठन एचएनएलसी पर सरकार ने लगाई पाबंदी

नई दिल्ली, 18 नवंबर (भाषा)।

मेघालय में सक्रिय उग्रवादी समूह हिनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) को उसकी हिंसात्मक एवं विध्वंसक गतिविधियों के कारण केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है।

गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एचएनएलसी, उसके सभी धड़ों, शाखाओं और उससे जुड़े संगठनों ने भारतीय संघ से राज्य के उन क्षेत्रों को अलग करने के अपने उद्देश्य की सार्वजनिक घोषणा की है, जिनमें मुख्य रूप से खासी और जयंतिया जनजातियां रहती हैं।

उसने कहा कि यह समूह जबरन धन वसूलने के लिए आम लोगों को डराता-धमकाता और परेशान करता है, जबरन वसूली एवं धमकाने के लिए पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी समूहों से संबंध रखता है और इसने अपने सदस्यों को पनाह और प्रशिक्षण देने के लिए बांग्लादेश में शिविर स्थापित किए हैं।

केंद्र सरकार का यह भी मानना है कि एचएनएलसी की गतिविधियों से भारत की संप्रभुता एवं अखंडता को खतरा है। मंत्रालय ने कहा कि यदि इन गतिविधियों को तत्काल नियंत्रित नहीं किया गया तो एचएनएलसी स्वयं को फिर से एकजुट करेगा और सशक्त बनाएगा, अपने सदस्यों की संख्या बढ़ाएगा, अत्याधुनिक हथियार खरीदेगा, आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के जीवन को खतरा पहुंचाएगा और अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ाएगा।

अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार अवैध गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा तीन की उपधारा (एक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एचएनएलसी, उसके सभी धड़ों, शाखाओं और इससे जुड़े संगठनों को अवैध घोषित करती है। मंत्रालय ने एक आम नागरिक की हत्या समेत एचएनएलसी द्वारा हाल में की गई हिसात्मक घटनाओं, इसके 16 सदस्यों की गिरफ्तारी, चार हथियारों की बरामदगी, इसके 14 सदस्यों के आत्मसमर्पण और लोगों के अपहरण की घटनाओं को भी सूचीबद्ध किया।

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Smt. Nirmala Devi W/o. Shri Harpal Singh R/o. S-70/66, Jal Vihar, Vijay Camp, Near Mother Dairy, Lajpat Nagar, New Delhi has disowned/debarred her son Shri Sachin Kumar and his wife Priyanka @ Koko from her moveable and immovable properties with immediate effect and have severed all their relations with them. My client shall not be responsible in any manner whatsoever for the deeds and acts of them henceforth.

PREM CHHETRI - ADVOCATE
C-118, C.L. Joseph Block, Tis Hazari Courts, Delhi -110054

PUBLIC NOTICE

It is brought to the knowledge of the General Public that my clients **Shri Dharmender Dabas son of Shri Surender Dabas R/o H.No. 76-A Village and Post Office Kanjhawala, Delhi-81** want for mutation in revenue record of Delhi in respect of property **Industrial plot no. 508, land measuring 60Sq.yards,. out of Khasra No. 143/508 situated in the extended lal dora of village kanjhawala, Delhi-110081** on the basis of will dated 20.02.2019 executed by **Shri Sher Singh S/o Shri Prithi Singh R/o H.No. 668 Udan Pana, Main Chowk Wali Ghali, Village Kanjhawala, Delhi-81** who had expired on dated 17.08.2019. If anybody have any objection, claim any other regd. or unregistered documents executed by Late Shri Sher Singh he/she may be produce it before revenue authority/ Consolidation Officer/Tehsildar (Kanjhawala), Distt. North-West Kanjhawala, Delhi within 15 days from today thereafter the same (if any) will be treated as null and void.

Sanjay Rana (Advocate)
Plot No.15, Nr SDM Office, Kanjhawala, Delhi-81

PUBLIC NOTICE

It is general information that I HAMMAD REHMAN S/O ABDUL REHMAN, residing at 1595, SUIWALAN, DARYA GANJ, NEW DLEHI- 110002 declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHD HAMMAD REHMAN and MOHD ABDUL REHMAN in my Educational documents. The actual name of mine and my father are HAMMAD REHMAN and ABDUL REHMAN respectively, which may be amended accordingly.

The Indian EXPRESS Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING

EXPRESS EDUCATION

BHARTI CONCEPT
MATHS
by S.S. Bharti
FREE COACHING
SSC, BANKING, DSSSB, RAILWAY, AIRFORCE, NAVY, NDA, CDS & ALL ONE DAY EXAM FOR SC/ST/OBC & EWS STUDENTS
(Under Jai Bheem Mukhya Mantri Pratibha Vikas Yojna Of Delhi Government, Limited Seated)
Batch Starts 20th Nov. 2019
At 11:30AM to 1:00PM
DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-9
9136335283, 09250291082

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

हरियाणा के मंत्रियों का आवास भत्ता हुआ दोगुना

चंडीगढ़, 18 नवंबर (भाषा)

हरियाणा के नवगठित भाजपा-जजपा मंत्रिमंडल ने सोमवार को अपनी पहली बैठक में मंत्रियों का आवास भत्ता दोगुना करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही

नई दिल्ली
राजधानी
जनसत्ता, नई दिल्ली, 19 नवंबर, 2019 3

आम दर्शकों के लिए आज से खुलेगा व्यापार मेला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

प्रगति मैदान में चल रहा 39वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला मंगलवार से आम दर्शकों के लिए खुल गया। हालांकि, इस मेले की शुरुआत हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस के मौके पर होती है पर शुरुआत के पांच दिन मेले में केवल व्यावसायिक दिन होते हैं। अब मेले में 27 नवंबर तक आम दर्शक घूम सकेंगे और मेले में व्यंजन के साथ-साथ खरीदारी का लुत्फ उठा सकेंगे। आइटीपीओ प्रशासन की ओर से कहा गया है कि सुबह साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े सात बजे तक मेले का आयोजन होगा। शाम के सात बजे के बाद मेले में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। दर्शक गेट नंबर एक और दस से मेले में प्रवेश कर सकते हैं।

प्रगति मैदान में आने वाले दर्शक ऑनलाइन और चुनिंदा मेट्रो स्टेशन से ही टिकट खरीद सकेंगे। इस साल मेले में टिकट के ब्रिक की व्यवस्था नहीं की गई है। शनिवार, रविवार और छुट्टी के दिन वयस्कों के लिए 120 रुपए का टिकट होगा और बच्चों के लिए 60 रुपए का टिकट होगा। वहीं, आम दिनों में बच्चों के लिए 40 रुपए तथा वयस्कों के लिए 60 रुपए टिकट होगा।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र
स्थापना दिवस समारोह
18 – 24 नवम्बर, 2019
शुभारंभ – 19 नवम्बर 2019, साँयः 6 बजे
द्वारा
श्री प्रहलाद सिंह पटेल
माननीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार
स्थान– आईजीएनसीए सभागार, सी.वी मेस, जनपथ नई दिल्ली
आप सादर साग्रह आमंत्रित हैं
कार्यक्रम का विस्तृत विवरण जानने के लिए
www.ignca.gov.in IGNCA ignca_delhi 09599443393

फॉर्म–जी
अभिरूचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण
[दिवाला और शोधन अक्षमता (कॉरपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए(1) के अधीन]

संबंधित विवरण	
1. कॉरपोरेट देनदार का नाम	स्वास्तिक फ्रूट्स प्रोडक्ट्स लिमिटेड
2. कॉरपोरेट देनदार के निगमन की तिथि	11/06/2004
3. उस ऑथेरिटी का नाम, जिसके अधीन कॉरपोरेट देनदार निगमित / पंजीकृत है	कंपनियों के रजिस्ट्रार, दिल्ली
4. कॉरपोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या	U15541DL2004PLC126895
5. कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई है) का पता	**पंजी. कार्यालय** : प्लॉट एफ–64/37, भू तल, एल/पी ग्राम – कटवारिया सराय, नई दिल्ली डीएल 110016 आईएन **प्रधान कार्यालय :** प्लॉट नंबर 28, 29पी, 39पी, 40 एवं 41पी, टाटीसिलवाई इंडस्ट्रियल एरिया फेज–II, राजस्व सर्वे नंबर 576पी, 575पी, 604पी, 605पी, 614पी, 635पी, 636पी, 637पी, 638पी, 813पी, 814, ग्राम चतरा, तालुका अंगारा, जिला रांची, झारखंड
6. कॉरपोरेट देनदार के सम्बंध में दिवाला प्रारंभ होने की तिथि	06 सितम्बर, 2019
7. अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण की तिथि	19 नवम्बर, 2019
8. कोड की धारा 25(2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों के लिए पात्रता निम्नलिखित पर उपलब्ध है:	**समाधान आवेदकों के लिए समाधान प्रोफेशनल के पास समाधान योजनाओं के साथ जाने के लिए न्यूनतम शर्तें नीचे वर्णित हैं।** **1. कृषि आधारित उत्पादों में फ्रूट जूस के वर्णन तथा पैकेजिंग एवं मार्केटिंग और सभी प्रकार के गैर–अल्कोहलिक पेय पदार्थों में आयातक, निर्यातक, उत्पादक, विनिर्माताओं तथा डीलर्स के तौर पर व्यवसाय के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता रखते हैं।** **2. प्राइवेट/पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, एलएलपी, बॉडी कार्पोरेट, व्यक्तिगत निवेशक चाहे भारत में निगमित हों अथवा भारत से भारत निगमित हैं – शुद्ध मूल्य मानदंड भारतीय रूपए 2 करोड़।** **3. वित्तीय संस्था (एफआई)/निधि/प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेशक/कोई अन्य समान प्रकार का आवेदक – प्रबंधन अधीन आस्ति भारतीय रूपए 10 करोड़।** **4. संघ निवेशक – भारित शुद्ध मूल्य के निर्धारण हेतु निवेशक संघ हेतु भारित औसत को आधार माना जाएगा।** **5. यदि कार्पोरेट देनदार के मौजूदा प्रवर्तक/ निदेशक/शेयरधारक, धारा 29(क) तथा धारा 240(क) के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए, समाधान आवेदक के रूप में आवेदन करते हैं, तो सीओसी को विवेकाधिकार होगा कि वह न्यूनतम भारतीय रूपए 2 करोड़ के शुद्ध मूल्य के मानदंड के संबंध में आग्रह नहीं करे।**
9. धारा 29ए के अधीन लागू अयोग्यता के मानक निम्नलिखित पर उपलब्ध है:	**https://ibbi.gov.in/legal-framework/act** (आईबीबीआई की आधिकारिक वेबसाइट–लीगल फ्रेमवर्क–अद्यतित कोड) विस्तृत विवरण rp.swastikfruits@gmail.com, pujabahry@yahoo.com पर ई–मेल के माध्यम से भी मांगा जा सकता है।
10. अभिरूचि के अभिव्यक्ति के प्राप्ति की अंतिम तिथि	04 दिसम्बर, 2019
11. संभावी समाधान आवेदकों के अनंतिम सूची निर्गमन की तिथि	14 दिसम्बर, 2019
12. अनंतिम सूची के आपत्तियों को जमा करने की अंतिम तिथि	19 दिसम्बर, 2019
13. संभावी समाधान आवेदकों की अंतिम सूची निर्गमन की तिथि	29 दिसम्बर, 2019
14. संभावी समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, इवैल्यूएशन मैट्रिक्स तथा समाधान योजनाओं के लिए अनुरोध के निर्गमन की तिथि	19 दिसम्बर, 2019
15. समाधान योजना, इवैल्यूएशन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन तथा अधिक जानकारी के लिए अनुरोध प्राप्त करने का तरीका	समाधान प्रोफेशनल द्वारा सूचना ज्ञापन योग्य और लघुसूचीकृत संभावित समाधान आवेदकों, जो लेनदारों की समिति द्वारा निर्धारित ग्राह्यता मानदंड पूरे करते हैं, के साथ, आईबीसी, 2016 की धारा 29(2) के अनुसार गोपनीयता वचनपत्र प्राप्त करने के बाद, साझा किए जाएंगे। सुश्री पूजा बाहरी, उपरोक्त विषय हेतु नियुक्त आरपी, के साथ प्वाइंट नंबर 21 एवं 22 पर वर्णित विवरण के अनुसार सम्पर्क करें।
16. समाधान को जमा करने की अंतिम तिथि	18 जनवरी, 2020
17. समाधान प्रोफेशनल के पास समाधान योजनाओं को जमा करने का तरीका	1. सुश्री पूजा बाहरी, देव डेन्सो पावर लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन) को 59/27, प्रभात रोड, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–110005 के पते पर स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से अथवा दस्ती सुपुर्दगी द्वारा। दस्तावेज की एक सॉफ्ट कॉपी rp.swastikfruits@gmail.com, pujabahry@yahoo.com को मेल द्वारा भेजी जानी अपेक्षित है।
18. अनुमोदन के लिए न्याय निर्णयन प्राधिकारी के पास समाधान योजना को जमा करने की अनुमानित तिथि	17 फरवरी, 2020 (अथवा जैसे ही सीओसी द्वारा अनुमोदित किया जाता है)
19. समाधान प्रोफेशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या	**नाम : पूजा बाहरी** **आईपी रजि. नंबर** IBBI/IPA-003/IP-N00007/2016-2017/10063
20. समाधान प्रोफेशनल का नाम, पता तथा ई–मेल, जैसा कि बोर्ड के साथ पंजीकृत है	**नाम : पूजा बाहरी** **पता : 59/27, प्रभात रोड, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–110005, ई–मेल :** pujabahry@yahoo.com
21. समाधान प्रोफेशनल के साथ पत्राचार के लिए प्रयुक्त होने वाला पता तथा ई–मेल	पता : 59/27, प्रभात रोड, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–110005 ई–मेल : rp.swastikfruits@gmail.com, pujabahry@yahoo.com
22. अधिक विवरण निम्नलिखित पर या के पास उपलब्ध है:	समाधान प्रोफेशनल पता : फोन : 9811071716 ई–मेल : rp.swastikfruits@gmail.com, pujabahry@yahoo.com
23. फॉर्म–जी के प्रकाशन की तिथि	19 नवम्बर, 2019

हस्ता./–
पूजा बाहरी
आईपी रजि. नंबर IBBI/IPA-003/IP-N00007/2016-2017/10063
पंजीकृत पता : 59/27, प्रभात रोड, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–110005
वास्तो स्वास्तिक फ्रूट्स प्रोडक्ट्स लिमिटेड (सीआईआरपी के अधीन)
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 19.11.2019

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR PUBLICATION AND DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

CSB Bank

CSB BANK LIMITED

(Formerly known as The Catholic Syrian Bank Limited)

Our Bank was incorporated on November 26, 1920 under the Indian Companies Act, 1913 as 'The Catholic Syrian Bank Limited'. A fresh certificate of incorporation under the Companies Act, 1956 was issued by the Registrar of Companies, Kerala at Ernakulum (**"RoC"**) on April 14, 1987. The Shareholders of our Bank approved the change of the name of our Bank from 'The Catholic Syrian Bank Limited' to 'CSB Bank Limited' through a postal ballot resolution dated May 4, 2019. RBI through its letter bearing reference number DBR. PSBD.No.8231/16.01.060/2018-19 dated April 1, 2019 conveyed its 'no objection' in terms of Section 49B of the Banking Regulation Act to the change of name of our Bank from 'The Catholic Syrian Bank Limited' to 'CSB Bank Limited'. Subsequently, a fresh certificate of incorporation under the Companies Act, 2013 was issued by the RoC on June 10, 2019 and a fresh license bearing no. MUM-147 dated June 28, 2019 was issued by the RBI under our new name to carry on the banking business in India, in lieu of our previous license dated June 19, 1969. The name of our Bank was changed to 'CSB Bank Limited' from "The Catholic Syrian Bank Limited", in the second schedule of the RBI Act with effect from June 10, 2019. For details of changes in the registered office of our Bank, see *"History and Certain Corporate Matters"* beginning on page 199 of the Red Herring Prospectus dated November 13, 2019 (**"RHP"**)

Registered and Corporate Office: 'CSB Bhavan', Post Box No. 502, St. Mary's College Road, Thrissur 680 020, Kerala, India. **Contact Person:** Mr. Sijo Varghese, Company Secretary and Compliance Officer; **Telephone no.:** +91 487 2333 020, +91 487 2338 764; **Facsimile:** +91 487 2333 170, **E-mail:** investors@csb.co.in; **Website:** www.csb.co.in; **Corporate Identification Number:** U65191KL1920PLC000175

OUR PROMOTER: FIH MAURITIUS INVESTMENTS LTD

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF CSB BANK LIMITED ("OUR BANK" OR "THE BANK" OR "THE ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF UP TO ₹ [●] PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) (THE "OFFER PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION (THE "OFFER") COMPRISING A FRESH ISSUE OF [●] EQUITY SHARES BY OUR BANK AGGREGATING UP TO ₹ 240 MILLION ("FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UP TO 19,778,298 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] MILLION BY THE SELLING SHAREHOLDERS, ("OFFER FOR SALE"). THE OFFER WILL CONSTITUTE [●]% OF THE POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR BANK.

- **QIB Portion: At least 75%**
- **Retail Portion: Not more than 10%**
- **Non-Institutional Portion : Not more than 15%**

Price Band: ₹ 193 to ₹ 195 per Equity Share of face value of ₹ 10 each.
The Floor Price is 19.3 times the face value and the Cap Price is 19.5 times the face value of the Equity Shares.
Bids can be made for a minimum of 75 Equity Shares and in multiples of 75 Equity Shares thereafter.

ASBA# | **Simple, Safe, Smart way of Application!!!** | # Applications supported by blocked amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account, For further details, check section on ASBA below.
Mandatory in public issues. No cheque will be accepted.

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

UPI-Now mandatory in ASBA for Retail Investors applying through Registered Brokers, DPs & RTAs. Retail Investors also have the options to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account.

• Investors have to apply through the ASBA process. • ASBA has to be availed by all the investors except Anchor investors. UPI may be availed by Retail Individual Investors. • For details on the ASBA and UPI process, please refer to the details given in ASBA Form and abridged prospectus and also please refer to the section *"Offer Procedure"* beginning on page 624 of the RHP. • The process is also available on the website of Association of Investment Bankers of India **"AIBI"**, Stock Exchanges and in the General Information Document. ASBA Forms can be downloaded from the websites of BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited and can be obtained from the list of banks that is displayed on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. List of banks supporting UPI is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. ICICI Bank Limited has been appointed as Sponsor Bank for the Offer, in accordance with the requirements of the SEBI Circular dated November 1, 2018. • For details of the Banks eligible to act as Issuer Banks for UPI, kindly refer to the website of SEBI at www.sebi.gov.in. • For UPI related queries, investors can contact NPCI at the toll free number-18001201740 and Mail Id-ipo.upi@npci.org.in. • For the list of UPI Apps and Banks live on IPO, please refer to the link https://www.npci.org.in/upi-live-ipo.

Risks to Investors

- **The Two Book Running Lead Managers associated with the Offer have handled 33 public issues during the current financial year and two financial years preceding the current financial year, out of which 15 issues closed below the issue price on listing date.**
- **The Price/Earnings ratio based on diluted basic and EPS for fiscal 2019 is not measurable as EPS is negative as compared to the average industry peer group PE ratio of Rs. 18.8.**
- **The average cost of acquisition per Equity Share for our Selling Shareholders is in the range of ₹ 83.98 to ₹ 255.86 per Equity Share and the average cost of acquisition per Equity Share for our Promoter is ₹ 140. The Offer Price at the upper end of Price Band is ₹ 195.**
- **Weighted Average Return on Net Worth for last three financial years is negative i.e. (5.49)%.**
- **Minimum Return on Net Worth (as on September 30, 2019) after the Offer to maintain Pre-Offer basic and diluted EPS for Financial Year 2018-19 is non measurable.**

BID/OFFER PROGRAMME

OPENS ON: FRIDAY, NOVEMBER 22, 2019*
CLOSES ON: TUESDAY, NOVEMBER 26, 2019**

**Our Bank may, in consultation with the BRLMs, consider participation by Anchor Investors in accordance with the SEBI ICDR Regulations. The Anchor Investor Bidding Date shall be one Working Day prior to the Bid/Offer Opening Date.*
***Our Bank may, in consultation with the BRLMs, consider closing the Bid/Offer Period for QIBs one Working Day prior to the Bid/Offer Closing Date in accordance with the SEBI ICDR Regulations.*

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/ Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Bank may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid/Offer Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/Offer Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a press release, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLMs and at the terminals of the members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and the Sponsor Bank.

The Offer is being made in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (**"SCRR"**) read with Regulation 31 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018, as amended (the **"SEBI ICDR Regulations"**). The Offer is being made through the Book Building Process in accordance with Regulation 6(2) of the SEBI ICDR Regulations wherein atleast 75% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (**"QIBs"**) (the **"QIB Portion"**), provided that our Bank, in consultation with the BRLMs may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis. One-third of the Anchor Investor Portion shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from the domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. 5% of the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. If at least 75% of the Offer cannot be Allotted to QIBs, the entire application money shall be refunded forthwith. Further, not more than 15% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not more than 10% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. All Bidders, other than Anchor Investors, are mandatorily required to participate in the Offer through the Application Supported by Blocked Amount (**"ASBA"**) process by providing details of their respective bank accounts and UPI ID in case of RIIs, as applicable, which will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks (**"SCSBs"**), as the case may be. Anchor Investors are not permitted to participate in the Anchor Investor Portion through the ASBA process. For details, see "Offer Procedure" beginning on page 624 of the RHP.

Bidders/Applicants should ensure that DP ID, PAN, Client ID and UPI ID (in case of RII, as applicable) are correctly filled in the Bid cum Application Form. The DP ID, PAN and Client ID provided in the Bid cum Application Form should match with the DP ID, PAN, Client ID available in the Depository database, otherwise, the Bid cum Application Form is liable to be rejected. Bidders/Applicants should ensure that the beneficiary account provided in the Bid cum Application Form is active. Bidders/Applicants should note that on the basis of the PAN, DP ID and Client ID and UPI ID (in case of RII, as applicable) as provided in the Bid cum Application Form, the Bidder/Applicant may be deemed to have authorised the Depositories to provide to the Registrar to the Offer, any requested Demographic Details of the Bidder/Applicant as available on the records of the depositories. These Demographic Details may be used, among other things, for other correspondence(s) related to the Offer. Bidders/Applicants are advised to update any changes to their Demographic Details as available in the records of the Depository Participant to ensure accuracy of records. Any delay resulting from failure to update the Demographic Details would be at the Bidders'/Applicants' sole risk.

Contents of the Memorandum of Association of the Bank as regards its objects: For information on the main objects of the Bank, please see the section titled *"History and Certain Corporate Matters"* on page 199 of the RHP and Clause 3 of the Memorandum of Association of the Bank. The Memorandum of Association of the Bank is a material document for inspection in relation to the Offer. For further details, please see the section titled *"Material Contracts and Documents for Inspection"* on page 652 of the RHP.

Liability of the members of the Bank: Limited by shares

Amount of share capital of the Bank and capital structure: The authorised, issued, subscribed and paid up share capital of the Bank as on the date of the RHP is as follows: The authorised share capital of the Bank is ₹ 2,200,000,000 divided into 220,000,000 Equity Shares of ₹ 10/- each and The pre-Offer issued, subscribed and paid-up equity share capital of the Bank is ₹ 1,722,250,580 divided into 172,225,058 Equity Shares of ₹ 10 each. For details, please see the section titled ***"Capital Structure"*** beginning on page 75 of the RHP.

Names of signatories to the Memorandum of Association of the Bank and the number of Equity Shares subscribed by them: The names of the signatories of the Memorandum of Association of our Bank are (i) Chakkola Palu Lonappen, (ii) Alangattukaren Devassy Kuriappen, (iii) Maliammavu Lona Mathew, (iv) Kattukaren Varunny Ouseph, (v) Chalissery Anthony Mani, (vi) Chettupuzhakkaren Kunjuvareed Varied, (vii) Injodikkaren Inasu Iyyappen, (viii) Attokaren Pyloth Varunny, (ix) Erinjery Varunny Ouseph who subscribed to 50 equity shares each respectively of face value of ₹ 10 as initial subscription and (x) Chalakkal Rappai Iyyunni and (xi) Maliakkal Devassy Pyloth who subscribed to 25 equity shares each respectively of face value of ₹10 as initial subscription. For details of the share capital and capital structure of the Bank, please see the section titled "Capital Structure" beginning on page 75 of the RHP.

Listing: The Equity Shares offered through the Red Herring Prospectus are proposed to be listed on the Stock Exchanges. Our Bank has received 'in-principle' approvals from the BSE and the NSE for the listing of the Equity Shares pursuant to letters dated September 18, 2019 and September 20, 2019, respectively. For the purposes of the Offer, the Designated Stock Exchange shall be NSE. A copy of the Red Herring Prospectus and the Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) of the Companies Act, 2013. For details of the material contracts and documents available for inspection from the date of the Red Herring Prospectus until the Bid/ Offer Closing Date, see *"Material Contracts and Documents for Inspection"* beginning on page 652 of the RHP.

Disclaimer Clause of the SEBI: SEBI only gives its observations on the offer documents and this does not constitute approval of either the Offer or the specified securities stated in the offer document. The investors are advised to refer to page 608 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of SEBI.

Disclaimer Clause of NSE (Designated Stock Exchange): It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Offer Document has been cleared or approved by NSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Offer Document. The investors are advised to refer to page 610 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of NSE.

Disclaimer Clause of BSE : It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the RHP has been cleared or approved by BSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the RHP. The investors are advised to refer to page 610 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of BSE.

Disclaimer clause of the RBI: A license authorising the Bank to carry on banking business has been obtained from the Reserve Bank of India in terms of section 22 of the Banking Regulation Act, 1949. It must be distinctly understood, however, that in issuing the license the Reserve Bank of India does not undertake any responsibility for the financial soundness of the Bank.

General Risks: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Bank and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares in the Offer have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (**"SEBI"**), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to *"Risk Factors"* beginning on page 23 of the RHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGERS		REGISTRAR TO THE OFFER	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
AXIS CAPITAL	IIFL SECURITIES	LINK Intime	**Mr. Sijo Varghese** 'CSB Bhavan', Post Box 502, St. Mary's College Road Thrissur- 680 020, Kerala, India **Telephone no.:** +91 487 6619 228 **E-mail:** investors@csb.co.in ; **Website:** www.csb.co.in
Axis Capital Limited 1st floor, Axis House, C-2 Wadia International Centre Pandurang Budhkar Marg, Mumbai 400 025 **Telephone no.:** +91 22 4325 2183 **E-mail:** csb.ipo@axiscap.in **Investor Grievance e-mail:** complaints@axiscap.in **Website:** www.axiscapital.co.in **Contact Person:** Ms. Simran Gadh **SEBI Registration No.:** INM000012029	**IIFL Securities Limited***** 10th Floor, IIFL Centre, Kamala City, Senapati Bapat Marg, Lower Parel (West), Mumbai- 400 013 **Telephone no.:** +91 22 4646 4600 **E-mail:**csb.ipo@iiflcap.com **Investor Grievance e-mail:**ig.ib@iiflcap.com **Website:** www.iiflcap.com **Contact Person:** Mr. Pinak Bhattacharyya / Mr. Ujjaval Kumar **SEBI Registration No.:** INM000010940	**Link Intime India Private Limited** C-101, 1st Floor, 247 Park, L.B.S Marg, Vikhroli (West) Mumbai- 400 083 **Telephone no.:** +91 22 4918 6200 **E-mail:** csb.ipo@linkintime.co.in **Investor Grievance e-mail:** csb.ipo@linkintime.co.in **Website:** www.linkintime.co.in **Contact Person:** Mr. Shanti Gopalkrishnan **SEBI Registration No.:** INR000004058	Investors can contact the Company Secretary and Compliance Officer, the BRLMs or the Registrar to the Offer in case of any pre-Offer or post-Offer related problems such as non-receipt of letters of Allotment, non-credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode, etc.

****IIFL Securities Limited is involved as a merchant banker only in marketing of the Offer.*

AVAILABILITY OF THE RHP: Investors are advised to refer to the RHP and the Risk Factors beginning on page 23 of the RHP, contained therein before applying in the Offer. A copy of the RHP is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the BRLMs, i.e. at www.axiscapital.co.in and www.iiflcap.com and websites of the Stock Exchanges at www.bseindia.com and www.nseindia.com.

AVAILABILITY OF BID CUM APPLICATION FORMS: Bid cum Application Forms can be obtained from the Registered Office of **CSB BANK LIMITED, Telephone no.:** +91 487 2333 020, +91 487 2338 764; **Facsimile:** +91 487 2333 170. **BRLMs : Axis Capital Limited, Telephone no.:** +91 22 4325 2183 and **IIFL Securities Limited, Telephone no.:** +91 22 4646 4600 and **Syndicate Member :** Axis Capital Limited and IIFL Securities Limited, at the select locations of the Sub-Syndicate Members (as given below), SCSBs, Registered Brokers, Designated RTA Locations and Designated CDP Locations participating in the Offer. ASBA Forms will also be available on the websites of BSE and NSE and the Designated Branches of SCSBs, the list of which is available at websites of the Stock Exchanges and SEBI.

Sub-Syndicate Members: Axis Securities Limited, Achivers Equities Limited, Almondz Global Securities Limited, Amrapali Capital & Finance Services Limited, Anand Rathi Share & Stock Brokers Limited, Anand Share Consultancy, Anil Dhulia, ANS Private Limited, Ashwani Dandia & Co, Consortium Securities Private Limited, Dalal & Broacha Stock Broking Private Limited, Edelweiss Broking Ltd, Eureka Stock & Share Broking Services Limited, G Raj & Co. (Consultants) Limited, ICICI Securities Limited, Jhaveri Securities, JM Financial Services Limited, Kalpataru Multiplier Limited, Kamlesh D Joshi, Karvy Stock Broking Limited, KJMC Capital Market Services Limited, Kotak Securities Limited, Lakshmishree Investment & Securities Private Limited, LKP Securities Limited, Marwadi Shares & Finance, Motilal Oswal Financial Services Limited, Mukesh D Joshi, Patel Wealth Advisors Private Limited, Prabhudas Lilladher Private Limited, Pravin Ratilal Share & Stock Brokers Limited, PRL Stock & Share Brokers Private Limited, RR Equity Brokers Private Limited, SBICAP Securities Limited, Sharekhan Limited, SMC Global Securities Limited, Tanna Financial Services, Tradebulls Securities (P) Limited, Way2wealth Brokers Private Limited, Yes Securities (India) Limited, Zerodha Broking Limited.

Escrow Bank, Refund Bank, Public Offer Account Bank and Sponsor Bank: ICICI Bank Limited

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the RHP.

ADDENDUM – NOTICE TO INVESTORS

The Reserve Bank of India by its letter dated November 13, 2019 bearing no. DOR. Appt. No. 3707/08.36.001/2019-20, has approved the re-appointment of our Managing Director and Chief Executive Officer, Mr. Rajendran Chinna Veerappan, for a period of three years with effect from December 9, 2019 on the terms and conditions as disclosed in the section "Our Management – Remuneration of our Managing Director and Chief Executive Officer" beginning on page 212 of the RHP. Accordingly, the RHP stands amended to the extent stated hereinabove. The above change shall also be appropriately reflected in the Prospectus to be filed by our Bank with the RoC.

For **CSB Bank Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Thrissur
Date: November 18, 2019

CSB BANK LIMITED is proposing, subject to, applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the RHP with the RoC on November 13, 2019. The RHP shall be available on the websites of SEBI, BSE, NSE at www.sebi.gov.in, www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and is available on the websites of the BRLMs, i.e. Axis Capital Limited and IIFL Securities Limited at www.axiscapital.co.in and www.iiflcap.com, respectively. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, see ***"Risk Factors"*** beginning on page 23 of the RHP. Potential investors should not rely on the DRHP for any investment decision.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulation S under the Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where such offers and sales are made. There will be no public offering in the United States.

Adfactors 350

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	26.5 डि.से.	26.5 डि.से.	25.6 डि.से.	26.0 डि.से.
न्यूनतम	15.3 डि.से.	15.3 डि.से.	13.4 डि.से.	14.6 डि.से.

जेएनयू छात्रावास के बढ़े शुल्क के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने की मांग

'एचआरडी समिति नई नियमावली को रद्द करे'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

जेएनयू में सामान्य कार्यप्रणाली की बहाली के लिए मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय की ओर से गठित तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति पर जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में जीते प्रत्याशियों ने कहा कि समिति 28 अक्तूबर को पारित और 13 नवंबर को संशोधित छात्रावास नियमावली को रद्द घोषित करे। इसके अलावा छात्रावास नियमावली के लिए हुई इंटर हॉल एडमिनिस्ट्रेशन (आइएचए) बैठक को अवैध करार देना चाहिए। हालांकि कुछ विद्यार्थियों को इस समिति से उम्मीद है कि कुछ न कुछ हल जरूर निकलेगा।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में जो पदाधिकारी जीते हैं, वे विद्यार्थियों के प्रतिनिधि हैं। इस समिति की ओर से छात्र संघ चुनाव जीते विद्यार्थियों के साथ-साथ जेएनयू शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) को भी हितधारक के रूप में शामिल किया जाए। विद्यार्थियों ने कहा कि हमें एक स्पष्ट आश्वासन दिया जाना चाहिए कि नियमावली पर कोई भी निर्णय उचित और स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेएनयू में स्थापित प्रक्रिया किसी भी उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्णय के नाम पर संक्षिप्त नहीं की जा सकती है और न ही होनी चाहिए। छात्र संघ विद्यार्थियों के चुने हुए प्रतिनिधि के रूप में हम इस स्थापित प्रक्रिया का हिस्सा है और जेएनयू के मुद्दों पर किसी भी हस्तक्षेप को स्पष्ट रूप से रखने के लिए सक्रिय भागीदारी को देखते हुए जेएनयूएसयू को आमंत्रित करना चाहिए। यह उच्चाधिकार प्राप्त समिति मिसाल कायम करने के लिए नहीं बनी बल्कि यह सुधारात्मक प्रक्रिया के लिए बनी है। एमएचआरडी को जेएनयू के सामान्य कामकाज में व्यवधान के लिए कुलपति को जिम्मेदार ठहराना चाहिए। उच्चस्तरीय समिति की यह शर्त नहीं हो सकती कि वह केवल विश्वविद्यालय को सलाह देगी। छात्र संघ चुनाव में चुने पदाधिकारियों ने विश्वविद्यालय के कुप्रबंधन के लिए कुलपति को हटाए जाने की मांग भी की।

संसद मार्च के दौरान सोमवार को भीकाजी कामा प्लेस फ्लाईओवर से गुजरते जेएनयू के विद्यार्थी। फोटो : अरुष चोपड़ा

बुधवार को समिति के साथ होगी विद्यार्थियों की बैठक

देर शाम एचआरडी मंत्रालय के संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय) जीएस होसूर से विद्यार्थियों के प्रतिनिधियों की बातचीत हुई। इस दौरान संयुक्त सचिव को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। बैठक में विद्यार्थियों का आश्वासन दिया गया है कि उच्चस्तरीय समिति बुधवार को विद्यार्थियों के साथ बैठक करेगी और उनकी सभी बातों को सुनेंगी। इसके बाद आगे कोई निर्णय लिया जाएगा।

प्रदर्शन की वजह से दक्षिणी दिल्ली में लगा जाम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

जेएनयू के विद्यार्थियों के प्रदर्शन के कारण सोमवार को दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों में भीषण जाम लग गया। वहीं, आश्रम के पास दिल्ली जल बोर्ड का पाइप लाइन फट जाने की वजह से रिंग रोड पर घंटो जाम लगा रहा। दिल्ली यातायात पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक विद्यार्थियों की प्रदर्शन की वजह से नेल्सन मंडेला मार्ग, मुनिरका, आउटर रिंग रोड, प्रिया रेड लाइट प्वाइंट, वसंत कुंज, अरुणा असफ अली मार्ग, बाबा गंगनाथ मार्ग, आइएनए, सफदरजंग और हौज खास इलाके में जाम से लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। जेनएयू से लेकर आइएएन तक पूरे रूट पर मार्ग को बदल दिया गया था। इस कारण इस पूरे इलाके में वाहन रेंगते हुए दिखाई दिए। वहीं, दिल्ली मेट्रो रेल प्रशासन ने एहतियातन कई मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकासी गेट अस्थायी रूप से बंद कर दिए थे। मेट्रो ट्रेन उद्योग भवन और पटेल चौक पर नहीं रूक रही थी। उद्योग भवन, पटेल चौक और केंद्रीय सचिवालय के प्रवेश और निकास गेट को अस्थायी रूप से बंद किया गया है।

दिल्ली पुलिस के आठ सौ जवान थे तैनात

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा के मुताबिक हम जेएनयू विद्यार्थियों के साथ वार्ता के लिए मध्यस्थता की कोशिश करते रहे। हमने उनसे कहा कि वे कानून अपने हाथ में न लें, सड़कों को अवरुद्ध न करें और जनता को परेशानी न पहुंचाएं। प्रदर्शन को देखते हुए आठ सौ पुलिस बल और केंद्रीय आर्म्ड सशस्त्र बलों की दस कंपनियां तैनात की गई थीं।

प्रवक्ता ने कहा कि जेएनयू छात्रों को पहला बैरिकेड तोड़कर अरविंद मार्ग होते संसद मार्ग की तरफ कूच होते पहले जोरबाग, सफदरजंग मकबरा के पास रोका गया। वहां कुछ छात्र अवरोधक को तोड़कर पुलिस बल को धक्का देकर आगे बढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर न तो पानी के बौछारें की, न ही टीयर गैस छोड़ा।

'तीन पीढ़ियों के संघर्षों का दस्तावेज'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

ओमप्रकाश वाल्मीकि की पुण्यतिथि के अवसर पर दलित लेखक संघ (दलेस) और जनवादी लेखक संघ (जलेस) के सांझा तत्वावधान में दलेस द्वारा संपादित काव्य संग्रह 'दलित कविताओं की तीन पीढ़ियां एक संवाद' पुस्तक का लोकार्पण व चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें दोनों संगठनों की ओर से अध्यक्षता हीरालाल राजस्थानी और बली सिंह ने की।

दलेस के अध्यक्ष हीरालाल राजस्थानी ने कहा कि यह कविता संग्रह तीन पीढ़ियों के संघर्षों के दस्तावेजों का संग्रह है या यों कहें की पीड़ाओं का संकलन है। इसे एक सूत्र में बांधा गया है। जलेस की और से अध्यक्षता कर रहे बली सिंह ने संकलन की बधाई देते हुए कहा कि यह संकलन समाज से मानवीयता की बात करता है। जो सदियों से उपेक्षित रहे उनकी अभिव्यक्ति को हमारे सामने रखता है। मुख्य वक्ता के तौर पर शेखर पवार ने संकलन पर कहा की एक महत्त्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया गया है। बजरंग बिहारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ये संग्रह बहुत संजीदगी से संग्रहित किया गया संकलन है। आज ओमप्रकाश वाल्मीकि की पुण्यतिथि पर इसकी चर्चा उनको सच्ची श्रद्धाजंलि है। पुष्पा विवेक ने कहा कि 13 महिलाओं को इस संग्रह में शामिल करना, अपने आप में काबिले तारीफ है। संजीव कौशल ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस संग्रह में जो कर्म से जुड़े हैं।

उनकी कहानियां हैं जिनको सदियों से यही समझाया जाता रहा कि कर्म किए जाओ फल की इच्छा मत करो। वेदप्रकाश ने कहा कि यह संग्रह दलित पक्षधरता की बात को साबित करता है। शीलबोधि ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह सही दिशा की और पहला कदम है। अब हमें इससे आगे बढ़ना है। संचालन करते हुए प्रेम तिवारी ने की यह संकलन एक ऐसी दुनिया की खिड़की खोलता है जो अंधेरे में खप गई। कर्मशील भारती ने कहा कि यह दलित आंदोलन का दर्पण है।

आवासीय संपत्ति कर दो फीसद बढ़ेगा

उत्तरी निगम के बजट में प्रस्ताव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अपनी माली हालत सुधारने के लिए संपत्ति कर की दरों में वृद्धि का प्रस्ताव रखा है। आवासीय संपत्तियों पर यह दो फीसद बढ़ोतरी है लेकिन अन्य संपत्तियों पर बढ़ोतरी ज्यादा होगी। निगम आयुक्त का ने कहा कि यदि यह प्रस्ताव पास नहीं हुआ तो निगम के पास नागरिक सुविधाओं को देने के लिए धन की कमी हो जाएगी।

निगम आयुक्त के इस प्रस्ताव को अगर हरी झंडी मिल जाएगी तो फिर दिल्ली के लोगों की जेब ढीली हो सकती है। सोमवार को आयुक्त वर्षा जोशी ने निगम बजट पेश करते हुए संपत्ति कर की दर में हर साल बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव रखा। निगम का मानना है कि अगर कर वृद्धि को पास कर दिया गया तो इससे निगम को सौ करोड़ रुपए तक अतिरिक्त आय होगी। सोमवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में पेश बजट प्रस्ताव में आयुक्त वर्षा जोशी ने कहा कि निगम की आर्थिक हालत को देखते हुए संपत्ति कर बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। इसके तहत व्यवसायिक संपत्ति कर में पांच फीसद और आवासीय संपत्ति कर में दो फीसद की बढ़ोतरी की सिफारिश की गई है। निगम आयुक्त ने आवासीय संपत्तियों के करों की दरों को ए से बी श्रेणी के लिए 14 फीसद, सी से ई श्रेणी में 13 फीसद और एफ से एच श्रेणी के लिए नौ फीसद का प्रस्ताव रखा है। आयुक्त का मानना है कि यह बढ़ोतरी इसलिए जरूरी क्योंकि 2011-12 से किसी भी प्रकार का कर नहीं बढ़ाया गया है। आयुक्त ने सुधार कर के तहत विकास और ढांचागत सुधार, यातायात की आधुनिक संविधाओं व कॉलोनियों के नियमितीकरण के कारण हुए सुधार के लिए संपत्ति कर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। इस मद से वित्तीय वर्ष में 459 करोड़ रुपए की आय का अनुमान है। हालांकि संपत्ति कर की बढ़ोतरी के साथ ही छूट एवं रियायतें भी देने का प्रस्ताव है। ऑनलाइन संपत्ति कर के रिर्टन भरने पर दो फीसद की छूट का भी प्रस्ताव रखा है।

भाजपा निगम चलाने में नाकाम : मुकेश गोयल

उत्तरी निगम में संपत्ति कर बढ़ाए जाने जैसे निर्णयों से यह साबित होता है कि सत्ताधारी दल भाजपा निगम को चलाने में नाकाम है। उत्तरी निगम में कांग्रेस दल के नेता मुकेश गोयल ने सोमवार को निगम आयुक्त के संपत्ति कर प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे अविलंब वापस लेने की मांग की है।

यूनिटेक : सेक्टर-113 में अधूरे बने 17 टॉवरों को पूरा कराने की तैयारी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 18 नवंबर।

- सलाहकार और सह निर्माता कंपनी का चयन करेगा प्राधिकरण
- निवेशकों को मिलेंगे फ्लैट-प्राधिकरण जमीन बेचकर कर पाएगा वसूली

बड़े बकाएदार बिल्डरों में की सूची में शामिल यूनिटेक की सेक्टर-113 स्थित अधूरी परियोजना को पूरा करने के लिए एक सलाहकार कंपनी और सह निर्माता को चुनने की तैयारी है। इस परियोजना में 17 टॉवर आधे-अधूरे बने हैं। इन टॉवरों के खरीदारों को राहत देने और बकाया वसूली के लिए प्राधिकरण सलाहकार कंपनी और सह निर्माता का चयन करेगी। इस सेक्टर में यूनिटेक को करीब दो लाख वर्ग मीटर जमीन आबंटित की गई थी। प्राधिकरण शेष जमीन को बेचकर राजस्व की वसूली करेगा। साथ ही टॉवर के फ्लैट निर्माण में सह निर्माता कंपनी की मदद कर सकता है।

प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक सह निर्माता और सहालकार कंपनी का चयन एक साथ होने से कार्यों को समय पर शुरू किया जा सकेगा। हालांकि नोएडा के नियम व शर्तों का पालन करने वाली कंपनी को ही प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए यूनिटेक के खरीदारों से भी इसके बाबत आपत्ति- सुझाव मांगे जाएंगे। चयनित सलाहकार एवं सह निर्माता कंपनी परियोजना स्थल पर अधूरे बने 17 टॉवरों का निर्माण पूरा करेगी। साथ ही यूनिटेक की अधूरी परियोजना में लगे रुपए और बिल्डर को दी गई रकम का भी ऑडिट किया जाएगा। इस रकम को सीधे सह निर्माता को ना देकर एक नए खाते के जरिए प्राधिकरण और बिल्डर के बीच खोला जाएगा। इस खाते में जमा होने वाली रकम सह निर्माता को दी जाएगी। इस खाते में लेन-देन का ऑडिट कर नियमित रूप से खरीदारों को जानकारी भी मिलेगी। बताया कि सेक्टर- 113 में यूनिटेक को करीब दो लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल का भूखंड आबंटित किया गया था। इसके कुछ हिस्से में बिल्डर ने 17 टॉवर का निर्माण कराया है। शेष भूखंड खाली है।

आंबेडकर नगर में युवक की हत्या

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

आंबेडकर नगर इलाके में एक युवक की शराब पीकर कथित तौर पर हुए झगड़े के बाद तीन लोगों ने धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मारे गए युवक की पहचान मनोज उर्फ लवी के तौर पर की गई है। मनोज मदनगीर डी ब्लॉक में रहता था और एक दंत चिकित्सक के पास सहायक का काम करता था। इस घटना को लेकर परिजनों ने सोमवार को प्रदर्शन भी किया।

दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने सोमवार को बताया कि रविवार रात 11:12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पता चला कि मनोज के परिजनों ने उसे तत्काल बत्रा अस्पताल पहुंचाया है लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव पर धारदार हथियार से हमले निशान पाए गए। आंबेडकर नगर पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवक और तीन लोगों के बीच तीखी नोकझोंक हुई जिसके बाद उन्होंने कथित तौर पर उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि 21 साल के मनोज की हत्या में एक नाबालिग भी शामिल है। नाबालिग भी मदनगीर में ही रहता है। पुलिस ने दबिश देते हुए 16 साल के इस नाबालिग को गिरफ्तार कर उसके अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ और जांच में पता चला कि मनोज का रविवार रात मदनगीर के डी ब्लॉक चबूतरा के पास शराब पीकर आपस में झगड़ा हुआ और फिर आरोपियों ने उसके उपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

तीन एअरलाइंस के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर चेक-इन सुविधा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)ने हवाई अड्डे के रास्ते पर कारों की भीड़ कम कर-के पर्यावरण प्रदूषण में कमी लाने के लिहाज से मेट्रो की एअरपोर्ट लाइन पर चेक-इन सुविधा शुरू की है। इसके तहत अब स्पाइस जेट, एअर एशिया व गो एअर के यात्रियों को हवाई अड्डे पर लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। वे नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से ही विमान के लिए चेक-इन कर सकेंगे। यात्रियों में मेट्रो से हवाई अड्डे जाने की प्रवृत्ति बढ़ाने के लिए उन्हें यात्री किराए में छूट दी जाएगी। मेट्रो के प्रबंध निदेशक मंगू सिंह ने इस सेवा का उद्घाटन किया।

सिंह ने कहा कि अभी तक एअर इंडिया के यात्रियों के लिए ही यह सुविधा थी जबकि डीएमआरसी ने चेक-इन सेवा देने का बुनियादी ढांचा खड़ा करने में भारी निवेश कर रखा है। उन्हें इसका दुख है कि इन सुविधाओं का क्षमता के हिसाब से उपयोग नहीं हो पा रहा है।

दिल्ली में गंदे पेयजल पर केजरीवाल का दावा

पानी को जहरीला बताकर लोगों को डरा रहे हैं केंद्रीय मंत्री

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के गुणवत्ता परीक्षण में राष्ट्रीय राजधानी के पानी के खरा नहीं उतरने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय मंत्रियों पर गंदी राजनीति करने और दिल्ली के पानी को जहरीला बताकर राजधानी के लोगों को डराने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि शहर के प्रत्येक वार्ड से सार्वजनिक रूप से औचक तरीके से पानी के पांच नमूने लिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी से सितंबर के बीच दिल्ली जल बोर्ड ने 1.55 लाख पानी के नमूने लिये जिसमें से सिर्फ 1.5 फीसदी परीक्षण में विफल रहे।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने शनिवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) की रिपोर्ट जारी कर कहा था कि दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई के पेयजल 11 में से 10 गुणवत्ता मापदंडों पर खरे नहीं उतरे। इस पर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि यह गंदी राजनीति है, केंद्रीय मंत्री जिस तरह से कह रहे हैं कि दिल्ली का पानी जहरीला है, उससे लोग डर गये हैं। केंद्रीय मंत्री हर्षवर्द्धन ने शनिवार को कहा कि केजरीवाल मुफ्त जलापूर्ति के नाम लोगों को जहर दे रहे हैं और मांग की कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार, प्रति 10 हजार की आबादी पर एक नमूने का परीक्षण किया जाना चाहिये। इसलिए, 11 की जगह परीक्षण के लिये कम से कम 2500 नमूनों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री यह नहीं बता रहे हैं कि पानी के 11 नमूने कहां से लिये गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने (केंद्रीय मंत्री) यह नहीं बताया कि नमूने कहां से लिये गए। लेकिन हम पारदर्शी तरीके से हर वार्ड से एच्छिक नमूने लेंगे और उसका परीक्षण करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहले केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिह शेखावत ने दिल्ली के पानी को यूरोपीय मानकों से भी बेहतर बताया था। केजरीवाल ने कहा कि शेखावत और पासवान केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। वे तय करें कि कौन सही हैं। अपने सर्वेक्षण के पहले चरण में बीआइएस ने पाया कि दिल्ली के 11 नमूने गुणवत्ता मापदंड पर खरे नहीं उतरे और पाइप से पहुंचाया जा रहा पानी पीने के लिए सुरक्षित नहीं है।

भाजपा और कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

दिल्ली में पानी के सैंपल फेल होने के बाद राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा और कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा की मांग है कि जो पार्टी दिल्ली की आम जनता को पीने के लिए शुद्ध पानी आपूर्ति नहीं कर सकती। उस पार्टी को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। भाजपा ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास समेत राजधानी में 400 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद, विधायक और पार्षद के अलावा बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हुए। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को तुर्कमान गेट पर चक्का जाम किया और दिल्ली सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस वजह से कुछ समय के लिए जाम लग गया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने आरोप लगाया कि प्रदूषित पानी की वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं।

खबरों में शहर

एलईडी लाइट लगाने में हुआ सौ करोड़ का घोटाला : गुप्ता

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के सौ करोड़ रुपए के घोटाले को उजागर करते हुए कहा कि डार्क स्पॉट में एलईडी लाइट लगाने के नाम पर बड़ी अनियमितताएं की जा रही हैं। भारत सरकार ने पूरे देश में सार्वजनिक मार्गों पर लगे हुए हाई प्रेशर सोडियम वेपर लेम्पों के स्थान पर एलईडी बल्ब लगाने के आदेश दे रखे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने पांच सालों के दौरान राजनीतिक दुर्भावना के चलते भारत सरकार के आदेश का पालन नहीं किया। इसके कारण लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर उच्च वॉट के एक लाख बल्ब नहीं लगाए गए। इसका फायदा उठाते हुए कुछ समय पूर्व 'आप' सरकार ने तीनों डिस्कॉम के माध्यम से इन बल्बों को खरीदने और लगाने का निर्णय लिया।

एनएमआरसी कार्ड के लिए ऑनलाइन कराएं केवाईसी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 18 नवंबर।

नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) के स्मार्ट कार्ड के ग्राहकों की केवाईसी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है। एनएमआरसी की वेबसाइट में कई और सुधार एवं लिंक जारी किए गए हैं। जहां से एनएमआरसी की भविष्य की योजनाएं, स्टेशन पार्किंग, साइकिल राइडिंग, स्टेशनों के बीच का किराया, एनएमआरसी बसों की समय सारिणी और बस स्टैंडों को भी शामिल किया गया है। एनएमआरसी के उपभोक्ता अब घर बैठे ही स्मॉर्ट कार्ड के लिए केवाईसी हो सकेगी। पहले इसके लिए स्टेशनों पर लाइन में लगना पड़ता था। इस दिक्कत को देखते हुए केवाईसी के लिए एनएमआरसी ने इसे एसबीआइ के साथ सीधे लिंक कर दिया है।

दिल्ली में दो दिवसीय मास्को दिवस का आयोजन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

दिल्ली में 18-19 नवंबर को दो दिवसीय मास्को दिवस का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव दिल्ली और मास्को की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली पर्यटन के इस आयोजन में कला, संस्कृति, विरासत, खेल और आपसी सहयोग के अन्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इस उत्सव में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में मास्को दिवस एक बड़ा उत्सव है, जिसका उद्देश्य दोनों शहरों के मध्य आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, खेल और शहरी विकास के पारस्परिक विचारों का आदान-प्रदान करना है।

देश को सुरक्षित राजधानी की जरूरत है : शर्मिष्ठा मुखर्जी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 नवंबर।

दिल्ली महिला कांग्रेस मोर्चा की अध्यक्ष शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर राजधानी में महिला की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार को घेरा। उनका आरोप है कि देश की राजधानी दिल्ली न तो बच्चियां सुरक्षित हैं और ना ही महिलाएं सुरक्षित महसूस कर रही हैं। यदि 31 अक्तूबर के राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजधानी में हर दिन छह लड़कियों और महिलाओं से बलात्कार हुए हैं। जनता अब देश में एक सुरक्षित राजधानी की मांग करने लगी है।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : 'मुव्मेंट्स ऑफ बीईंग' नामक पुस्तक का लोकार्पण, कांफ्रेंस रूम दो, सेंटर परिसर, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, शाम साढ़े छह बजे।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : 'द परफेक्ट प्रेडेटर : ए साइंटिस्टस रेस टू सेव हर हसबेंड फ्रॉम ए डेडली सुपरबग' नामक पुस्तक का लोकार्पण, मल्टीपर्पस हॉल, कमलादेवी काम्पलेक्स, सेंटर परिसर, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, शाम छह बजे।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : 'राग रंग' पर दिपांकर गोस्वामी का व्याख्यान, एनेक्स लेक्चर रूम दो, सेंटर परिसर, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, शाम छह बजे।

इंडिया हेबीटाट सेंटर: 'एक कदम आगे' नामक पर्यावरण विषय पर चर्चा, बेसमेंट थिएयर, सेंटर परिसर, लोधी रोड, शाम सात बजे।

संगीत

इंडिया हेबीटाट सेंटर: संगीत समारोह, द स्टेन ऑडिटोरियम, लोधी रोड, शाम सात बजे।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR PUBLICATION AND DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

CSB Bank

CSB BANK LIMITED

(Formerly known as The Catholic Syrian Bank Limited)

Our Bank was incorporated on November 26, 1920 under the Indian Companies Act, 1913 as 'The Catholic Syrian Bank Limited'. A fresh certificate of incorporation under the Companies Act, 1956 was issued by the Registrar of Companies, Kerala at Ernakulum (**"RoC"**) on April 14, 1987. The Shareholders of our Bank approved the change of the name of our Bank from 'The Catholic Syrian Bank Limited' to 'CSB Bank Limited' through a postal ballot resolution dated May 4, 2019. RBI through its letter bearing reference number DBR. PSBD.No.8231/16.01.060/2018-19 dated April 1, 2019 conveyed its 'no objection' in terms of Section 49B of the Banking Regulation Act to the change of name of our Bank from 'The Catholic Syrian Bank Limited' to 'CSB Bank Limited'. Subsequently, a fresh certificate of incorporation under the Companies Act, 2013 was issued by the RoC on June 10, 2019 and a fresh license bearing no. MUM-147 dated June 28, 2019 was issued by the RBI under our new name to carry on the banking business in India, in lieu of our previous license dated June 19, 1969. The name of our Bank was changed to 'CSB Bank Limited' from "The Catholic Syrian Bank Limited", in the second schedule of the RBI Act with effect from June 10, 2019. For details of changes in the registered office of our Bank, see *"History and Certain Corporate Matters"* beginning on page 199 of the Red Herring Prospectus dated November 13, 2019 (**"RHP"**)

Registered and Corporate Office: 'CSB Bhavan', Post Box No. 502, St. Mary's College Road, Thrissur 680 020, Kerala, India. **Contact Person:** Mr. Sijo Varghese, Company Secretary and Compliance Officer; **Telephone no.:** +91 487 2333 020, +91 487 2338 764; **Facsimile:** +91 487 2333 170, **E-mail:** investors@csb.co.in; **Website:** www.csb.co.in; **Corporate Identification Number:** U65191KL1920PLC000175

OUR PROMOTER: FIH MAURITIUS INVESTMENTS LTD

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF CSB BANK LIMITED ("OUR BANK" OR "THE BANK" OR "THE ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF UP TO ₹ [●] PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) (THE "OFFER PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION (THE "OFFER") COMPRISING A FRESH ISSUE OF [●] EQUITY SHARES BY OUR BANK AGGREGATING UP TO ₹ 240 MILLION ("FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UP TO 19,778,298 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] MILLION BY THE SELLING SHAREHOLDERS, ("OFFER FOR SALE"). THE OFFER WILL CONSTITUTE [●]% OF THE POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR BANK.

• QIB Portion: At least 75% **• Retail Portion: Not more than 10%** **• Non-Institutional Portion : Not more than 15%**

Price Band: ₹ 193 to ₹ 195 per Equity Share of face value of ₹ 10 each.
The Floor Price is 19.3 times the face value and the Cap Price is 19.5 times the face value of the Equity Shares.
Bids can be made for a minimum of 75 Equity Shares and in multiples of 75 Equity Shares thereafter.

ASBA# | **Simple, Safe, Smart way of Application!!!** | # Applications supported by blocked amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account, For further details, check section on ASBA below.
Mandatory in public issues. No cheque will be accepted.

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

UPI-Now mandatory in ASBA for Retail Investors applying through Registered Brokers, DPs & RTAs. Retail Investors also have the options to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account.

• Investors have to apply through the ASBA process. • ASBA has to be availed by all the investors except Anchor investors. UPI may be availed by Retail Individual Investors. • For details on the ASBA and UPI process, please refer to the details given in ASBA Form and abridged prospectus and also please refer to the section *"Offer Procedure"* beginning on page 624 of the RHP. • The process is also available on the website of Association of Investment Bankers of India **"AIBI"**, Stock Exchanges and in the General Information Document. ASBA Forms can be downloaded from the websites of BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited and can be obtained from the list of banks that is displayed on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. List of banks supporting UPI is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in. ICICI Bank Limited has been appointed as Sponsor Bank for the Offer, in accordance with the requirements of the SEBI Circular dated November 1, 2018. • For details of the Banks eligible to act as Issuer Banks for UPI, kindly refer to the website of SEBI at www.sebi.gov.in. • For UPI related queries, investors can contact NPCI at the toll free number-18001201740 and Mail Id-ipo.upi@npci.org.in. • For the list of UPI Apps and Banks live on IPO, please refer to the link https://www.npci.org.in/upi-live-ipo.

Risks to Investors

- **The Two Book Running Lead Managers associated with the Offer have handled 33 public issues during the current financial year and two financial years preceding the current financial year, out of which 15 issues closed below the issue price on listing date.**
- **The Price/Earnings ratio based on diluted basic and EPS for fiscal 2019 is not measurable as EPS is negative as compared to the average industry peer group PE ratio of Rs. 18.8.**
- **The average cost of acquisition per Equity Share for our Selling Shareholders is in the range of ₹ 83.98 to ₹ 255.86 per Equity Share and the average cost of acquisition per Equity Share for our Promoter is ₹ 140. The Offer Price at the upper end of Price Band is ₹ 195.**
- **Weighted Average Return on Net Worth for last three financial years is negative i.e. (5.49)%.**
- **Minimum Return on Net Worth (as on September 30, 2019) after the Offer to maintain Pre-Offer basic and diluted EPS for Financial Year 2018-19 is non measurable.**

Basis for the Offer Price

The Offer Price will be determined by our Bank, in consultation with the BRLMs, on the basis of assessment of market demand for the Equity Shares offered through the Book Building Process and on the basis of quantitative and qualitative factors as described below. The face value of the Equity Shares is ₹10 each and the Offer Price is 19.3 times the Floor Price and 19.5 times the Cap Price. Investors should also refer to the sections titled *"Our Business", "Risk Factors"* and *"Financial Statements"* on pages 143, 23 and 238, respectively, of the RHP, to have an informed view before making an investment decision.

Qualitative Factors: We believe the following business strengths allow us to successfully compete in the industry:

• Strong channel network and trusted brand in South India; • strong capital base; • well established SME business; • retail offering driven by strong gold loan portfolio; • stable and granular deposit base; • professional and experienced management with strong and independent Board; and • streamlined risk management controls, policies and procedures.

For further details, see *"Our Business - Competitive Strengths"* and *"Risk Factors"* on pages 147 and 23, respectively, of the RHP.

Quantitative Factors: Some of the information presented below relating to our Bank is based on the Restated Financial Statements prepared in accordance with Indian GAAP and the Companies Act, 2013 and restated in accordance with the SEBI ICDR Regulations. For details, see *"Financial Statements"* on page 238 of the RHP.

Some of the quantitative factors which may form the basis for computing the Offer Price are as follows:

1. Basic and Diluted Earnings Per Share ("EPS")

Particulars	Basic EPS (Rupees)	Diluted EPS (Rupees)	Weight
Year ended March 31, 2019	(7.90)	(7.90)	3
Year ended March 31, 2018	(15.70)	(15.70)	2
Year ended March 31, 2017	(7.66)	(7.66)	1
Weighted average (Refer Note 4)	**(10.46)**	**(10.46)**	
Six month period ended September 30, 2019*	3.86	3.86	

*Note: **1.** The EPS calculations have been done in accordance with Accounting Standard 20 – "Earnings per Share" issued by ICAI. **2.** The face value of each Equity Share is ₹10. **3.** The ratios have been computed as below: **a.** Basic EPS and Diluted EPS (in ₹) = Net profit or (Net loss) available to equity shareholders (after extra-ordinary items) / Weighted average number of equity shares outstanding during the year/period. **4.** Weighted average = Aggregate of year-wise weighted EPS divided by the aggregate of weights i.e. [(EPS x Weight) for each fiscal] / [Total of weights]*

**Not annualized*

2. Earnings Per Share after taking into consideration conversion of warrants and ESOP allotment ("EPS")

Particulars	EPS (Rupees)	Weight
Year ended March 31, 2019	(3.81)	3
Year ended March 31, 2018	(7.38)	2
Year ended March 31, 2017	(3.37)	1
Weighted average (Refer Note 4)	**(4.93)**	

3. Price/ Earning ("P/ E") ratio in relation to Price Band of ₹ 193 to ₹ 195 per Equity Share

(a) P/E based on basic and diluted EPS for the year ended March 31, 2019 is not measurable as EPS is negative .

(b) Industry P/ E ratio is given below:

Particulars	P/E
Highest	27.1
Lowest	12.1
Average	**18.8**

Note: *The industry high and low has been considered from the industry peer set provided later in this chapter. The industry composite has been calculated as the arithmetic average P/ E of the industry peer set disclosed in this section.*

4. Average Return on Net Worth ("RoNW")

Financial Year ended	RoNW (%)	Weight
March 31, 2019	-6.74%	3
March 31, 2018	-35.94%	2
March 31, 2017	-10.62%	1
Weighted Average*	**-17.12%**	
Six month period ended September 30, 2019#	**2.88%**	

Note: RoNW = Net profit or (Net loss) after tax (after extra- ordinary items) / Net worth excluding revaluation reserve, Deferred Tax Asset and intangible assets at the end of the year or period

**Weighted average = Aggregate of year-wise weighted EPS divided by the aggregate of weights i.e. [(EPS x Weight) for each year] / [Total of weights]*

#Not annualized

5. Average Return on Net Worth ("RoNW") after taking into consideration conversion of warrants and ESOP allotment

Financial Year ended	RoNW (%)	Weight
March 31, 2019	-4.48%	3
March 31, 2018	-8.11%	2
March 31, 2017	-3.30%	1
Weighted Average* (as on September 30, 2019)	**-5.49%**	

Note: RoNW = Net profit or (Net loss) after tax (after extra- ordinary items) / Net worth excluding revaluation reserve, Deferred Tax Asset and intangible assets at the end of the year or period

**Weighted average = Aggregate of year-wise weighted EPS divided by the aggregate of weights i.e. [(EPS x Weight) for each year] / [Total of weights]*

6. Minimum Return on Net Worth after Offer to maintain Pre-Offer Basic EPS for Financial Year 2018-19

Particulars	(%)
At the Floor Price	**NM***
At the Cap Price	**NM***

to maintain Pre-Offer Diluted EPS for Financial Year 2018-19

Particulars	(%)
At the Floor Price	**NM***
At the Cap Price	**NM***

**Non Measurable*

7. Net Asset Value ("NAV") per Equity Share

Particulars	(₹)
As on September 30, 2019	89.19
Financial Year 2019	73.54
Financial Year 2018	43.68
Financial Year 2017	67.46
NAV after the Issue	[●]
Offer Price*	[●]

**Offer Price per Equity Share will be determined on conclusion of the Book Building Process*
Note: NAV = Net worth as at the end of the year/ Number of equity shares outstanding at the end of the year

8. Net Asset Value ("NAV") per Equity Share after taking into consideration conversion of warrants and ESOP allotment

Particulars	(₹)
Financial Year 2019	85.12
Financial Year 2018	90.95
Financial Year 2017	102.12
NAV after the Issue	[●]
Offer Price*	[●]

**Offer Price per Equity Share will be determined on conclusion of the Book Building Process*
Note: NAV = Net worth as at the end of the year/ Number of equity shares outstanding at the end of the year

9. Comparison of accounting ratios with listed industry peers

Name of the Bank	Face Value (₹)	Total Income (₹ million)	Basic EPS	P/E	P/BV	RONW (%)	NAV (₹)
CSB Bank Limited	10	14,834.33	(7.9)	[●]	[●]	(6.7%)	73.54
DCB bank	10	33,917	10.5	19.4	2.2	11.3%	92.7
Federal bank	2	1,29,707	6.7	14.5	1.4	9.8%	68.0
South Indian bank	1	76,027	1.4	12.1	0.6	4.9%	28.2
City Union	1	42,816	9.6	21.3	3.1	14.1%	65.9
Karur Vysya Bank	2	67,786	2.6	27.1	0.9	3.3%	80.4

Source: Stock Exchange. Based on Audited Financials for the year ended March 31, 2019

Note: 1. P/E ratio based on closing market price as on March 31, 2019 available on www.bseindia.com and using Basic EPS

10. The Offer Price will be [●] times of the face value of the Equity Shares

The Offer Price of ₹ [●] has been determined by our Bank, in consultation with the BRLMs, on the basis of market demand from investors for Equity Shares through the Book Building Process and is justified in view of the above qualitative and quantitative parameters. Investors should read the above mentioned information along with "Our Business", *"Risk Factors", "Financial Statements"* and *"Management's Discussion and Analysis of Financial Condition and Results of Operations"* on pages 143, 23, 238 and 403, respectively, to have a more informed view. The trading price of the Equity Shares could decline due to the factors mentioned in "Risk Factors" beginning on page 23 and you may lose all or part of your investments.

FOR FURTHER DETAILS, SEE "BASIS FOR OFFER PRICE" BEGINNING ON PAGE 103 OF THE RHP.

BID/OFFER PROGRAMME — OPENS ON: FRIDAY, NOVEMBER 22, 2019* | CLOSES ON: TUESDAY, NOVEMBER 26, 2019**

**Our Bank may, in consultation with the BRLMs, consider participation by Anchor Investors in accordance with the SEBI ICDR Regulations. The Anchor Investor Bidding Date shall be one Working Day prior to the Bid/Offer Opening Date.*
***Our Bank may, in consultation with the BRLMs, consider closing the Bid/Offer Period for QIBs one Working Day prior to the Bid/Offer Closing Date in accordance with the SEBI ICDR Regulations.*

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/ Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Bank may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid/Offer Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/Offer Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a press release, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLMs and at the terminals of the members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and the Sponsor Bank.

The Offer is being made in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (**"SCRR"**) read with Regulation 31 of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018, as amended (the **"SEBI ICDR Regulations"**). The Offer is being made through the Book Building Process in accordance with Regulation 6(2) of the SEBI ICDR Regulations wherein atleast 75% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers (**"QIBs"**) (the **"QIB Portion"**), provided that our Bank, in consultation with the BRLMs may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis. One-third of the Anchor Investor Portion shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from the domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. 5% of the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. If at least 75% of the Offer cannot be Allotted to QIBs, the entire application money shall be refunded forthwith. Further, not more than 15% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not more than 10% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. All Bidders, other than Anchor Investors, are mandatorily required to participate in the Offer through the Application Supported by Blocked Amount (**"ASBA"**) process by providing details of their respective bank accounts and UPI ID in case of RIIs, as applicable, which will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks (**"SCSBs"**), as the case may be. Anchor Investors are not permitted to participate in the Anchor Investor Portion through the ASBA process. For details, see *"Offer Procedure"* beginning on page 624 of the RHP.

Bidders/Applicants should ensure that DP ID, PAN, Client ID and UPI ID (in case of RII, as applicable) are correctly filled in the Bid cum Application Form. The DP ID, PAN and Client ID provided in the Bid cum Application Form should match with the DP ID, PAN, Client ID available in the Depository database, otherwise, the Bid cum Application Form is liable to be rejected. Bidders/Applicants should ensure that the beneficiary account provided in the Bid cum Application Form is active. Bidders/Applicants should note that on the basis of the PAN, DP ID and Client ID and UPI ID (in case of RII, as applicable) as provided in the Bid cum Application Form, the Bidder/Applicant may be deemed to have authorised the Depositories to provide to the Registrar to the Offer, any requested Demographic Details of the Bidder/Applicant as available on the records of the depositories. These Demographic Details may be used, among other things, for other correspondence(s) related to the Offer. Bidders/Applicants are advised to update any changes to their Demographic Details as available in the records of the Depository Participant to ensure accuracy of records. Any delay resulting from failure to update the Demographic Details would be at the Bidders'/Applicants' sole risk.

Contents of the Memorandum of Association of the Bank as regards its objects: For information on the main objects of the Bank, please see the section titled *"History and Certain Corporate Matters"* on page 199 of the RHP and Clause 3 of the Memorandum of Association of the Bank. The Memorandum of Association of the Bank is a material document for inspection in relation to the Offer. For further details, please see the section titled *"Material Contracts and Documents for Inspection"* on page 652 of the RHP.

Liability of the members of the Bank: Limited by shares

Amount of share capital of the Bank and capital structure: The authorised, issued, subscribed and paid up share capital of the Bank as on the date of the RHP is as follows: The authorised share capital of the Bank is ₹ 2,200,000,000 divided into 220,000,000 Equity Shares of ₹ 10/- each and The pre-Offer issued, subscribed and paid-up equity share capital of the Bank is ₹ 1,722,250,580 divided into 172,225,058 Equity Shares of ₹ 10 each. For details, please see the section titled ***"Capital Structure"*** beginning on page 75 of the RHP.

Names of signatories to the Memorandum of Association of the Bank and the number of Equity Shares subscribed by them: The names of the signatories of the Memorandum of Association of our Bank are (i) Chakkola Palu Lonappen, (ii) Alangattukaren Devassy Kuriappen, (iii) Maliammavu Lona Mathew, (iv) Kattukaren Varunny Ouseph, (v) Chalissery Anthony Mani, (vi) Chettupuzhakkaren Kunjuvareed Varied, (vii) Injodikkaren Inasu Iyyappen, (viii) Attokaren Pyloth Varunny, (ix) Erinjery Varunny Ouseph who subscribed to 50 equity shares each respectively of face value of ₹ 10 as initial subscription and (x) Chalakkal Rappai Iyyunni and (xi) Maliakkal Devassy Pyloth who subscribed to 25 equity shares each respectively of face value of ₹10 as initial subscription. For details of the share capital and capital structure of the Bank, please see the section titled "Capital Structure" beginning on page 75 of the RHP.

Listing: The Equity Shares offered through the Red Herring Prospectus are proposed to be listed on the Stock Exchanges. Our Bank has received 'in-principle' approvals from the BSE and the NSE for the listing of the Equity Shares pursuant to letters dated September 18, 2019 and September 20, 2019, respectively. For the purposes of the Offer, the Designated Stock Exchange shall be NSE. A copy of the Red Herring Prospectus and the Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) of the Companies Act, 2013. For details of the material contracts and documents available for inspection from the date of the Red Herring Prospectus until the Bid/ Offer Closing Date, see *"Material Contracts and Documents for Inspection"* beginning on page 652 of the RHP.

Disclaimer Clause of the SEBI: SEBI only gives its observations on the offer documents and this does not constitute approval of either the Offer or the specified securities stated in the offer document. The investors are advised to refer to page 608 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of SEBI.

Disclaimer Clause of NSE (Designated Stock Exchange): It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Offer Document has been cleared or approved by NSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Offer Document. The investors are advised to refer to page 610 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of NSE.

Disclaimer Clause of BSE : It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the RHP has been cleared or approved by BSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the RHP. The investors are advised to refer to page 610 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of BSE.

Disclaimer clause of the RBI: A license authorising the Bank to carry on banking business has been obtained from the Reserve Bank of India in terms of section 22 of the Banking Regulation Act, 1949. It must be distinctly understood, however, that in issuing the license the Reserve Bank of India does not undertake any responsibility for the financial soundness of the Bank.

General Risks: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Bank and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares in the Offer have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (**"SEBI"**), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to *"Risk Factors"* beginning on page 23 of the RHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGERS		REGISTRAR TO THE OFFER	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
AXIS CAPITAL **Axis Capital Limited** 1st floor, Axis House, C-2 Wadia International Centre Pandurang Budhkar Marg, Mumbai - 400 025 **Telephone no.:** +91 22 4325 2183 **E-mail:** csb.ipo@axiscap.in **Investor Grievance e-mail:** complaints@axiscap.in **Website:** www.axiscapital.co.in **Contact Person:** Ms. Simran Gadh **SEBI Registration No.:** INM000012029	IIFL SECURITIES **IIFL Securities Limited***** 10th Floor, IIFL Centre, Kamala City, Senapati Bapat Marg, Lower Parel (West), Mumbai - 400 013 **Telephone no.:** +91 22 4646 4600 **E-mail:**csb.ipo@iiflcap.com **Investor Grievance e-mail:**ig.ib@iiflcap.com **Website:** www.iiflcap.com **Contact Person:** Mr. Pinak Bhattacharyya / Mr. Ujjaval Kumar **SEBI Registration No.:** INM000010940	LINK Intime **Link Intime India Private Limited** C-101, 1st Floor, 247 Park, L.B.S Marg, Vikhroli (West) Mumbai - 400 083 **Telephone no.:** +91 22 4918 6200 **E-mail:** csb.ipo@linkintime.co.in **Investor Grievance e-mail:** csb.ipo@linkintime.co.in **Website:** www.linkintime.co.in **Contact Person:** Mr. Shanti Gopalkrishnan **SEBI Registration No.:** INR000004058	**Mr. Sijo Varghese** 'CSB Bhavan', Post Box 502, St. Mary's College Road Thrissur - 680 020, Kerala, India **Telephone no.:** +91 487 6619 228 **E-mail:** investors@csb.co.in; **Website:** www.csb.co.in Investors can contact the Company Secretary and Compliance Officer, the BRLMs or the Registrar to the Offer in case of any pre-Offer or post-Offer related problems such as non-receipt of letters of Allotment, non-credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode, etc.

****IIFL Securities Limited is involved as a merchant banker only in marketing of the Offer.*

AVAILABILITY OF THE RHP: Investors are advised to refer to the RHP and the Risk Factors beginning on page 23 of the RHP, contained therein before applying in the Offer. A copy of the RHP is available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, websites of the BRLMs, i.e. at www.axiscapital.co.in and www.iiflcap.com and websites of the Stock Exchanges at www.bseindia.com and www.nseindia.com.

AVAILABILITY OF BID CUM APPLICATION FORMS: Bid cum Application Forms can be obtained from the Registered Office of **CSB BANK LIMITED, Telephone no.:** +91 487 2333 020, +91 487 2338 764; **Facsimile:** +91 487 2333 170. **BRLMs : Axis Capital Limited, Telephone no.:** +91 22 4325 2183 and **IIFL Securities Limited, Telephone no.:** +91 22 4646 4600 and **Syndicate Member :** Axis Capital Limited and IIFL Securities Limited, at the select locations of the Sub-Syndicate Members (as given below), SCSBs, Registered Brokers, Designated RTA Locations and Designated CDP Locations participating in the Offer. ASBA Forms will also be available on the websites of BSE and NSE and the Designated Branches of SCSBs, the list of which is available at websites of the Stock Exchanges and SEBI.

Sub-Syndicate Members: Axis Securities Limited, Achivers Equities Limited, Almondz Global Securities Limited, Amrapali Capital & Finance Services Limited, Anand Rathi Share & Stock Brokers Limited, Anand Share Consultancy, Anil Dhulia, ANS Private Limited, Ashwani Dandia & Co, Consortium Securities Private Limited, Dalal & Broacha Stock Broking Private Limited, Edelweiss Broking Ltd, Eureka Stock & Share Broking Services Limited, G Raj & Co. (Consultants) Limited, ICICI Securities Limited, Jhaveri Securities, JM Financial Services Limited, Kalpataru Multiplier Limited, Kamlesh D Joshi, Karvy Stock Broking Limited, KJMC Capital Market Services Limited, Kotak Securities Limited, Lakshmishree Investment & Securities Private Limited, LKP Securities Limited, Marwadi Shares & Finance, Motilal Oswal Financial Services Limited, Mukesh D Joshi, Patel Wealth Advisors Private Limited, Prabhudas Lilladher Private Limited, Pravin Ratilal Share & Stock Brokers Limited, PRL Stock & Share Brokers Private Limited, RR Equity Brokers Private Limited, SBICAP Securities Limited, Sharekhan Limited, SMC Global Securities Limited, Tanna Financial Services, Tradebulls Securities (P) Limited, Way2wealth Brokers Private Limited, Yes Securities (India) Limited, Zerodha Broking Limited.

Escrow Bank, Refund Bank, Public Offer Account Bank and Sponsor Bank: ICICI Bank Limited

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the RHP.

ADDENDUM – NOTICE TO INVESTORS

The Reserve Bank of India by its letter dated November 13, 2019 bearing no. DOR. Appt. No. 3707/08.36.001/2019-20, has approved the re-appointment of our Managing Director and Chief Executive Officer, Mr. Rajendran Chinna Veerappan, for a period of three years with effect from December 9, 2019 on the terms and conditions as disclosed in the section "Our Management – Remuneration of our Managing Director and Chief Executive Officer" beginning on page 212 of the RHP.

Accordingly, the RHP stands amended to the extent stated hereinabove. The above change shall also be appropriately reflected in the Prospectus to be filed by our Bank with the RoC.

For **CSB Bank Limited**
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Thrissur
Date: November 18, 2019

CSB BANK LIMITED is proposing, subject to, applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the RHP with the RoC on November 13, 2019. The RHP shall be available on the websites of SEBI, BSE, NSE at www.sebi.gov.in, www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively, and is available on the websites of the BRLMs, i.e. Axis Capital Limited and IIFL Securities Limited at www.axiscapital.co.in and www.iiflcap.com, respectively. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, see ***"Risk Factors"*** beginning on page 23 of the RHP. Potential investors should not rely on the DRHP for any investment decision.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States, and unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulation S under the Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where such offers and sales are made. There will be no public offering in the United States.

Adfactors 351

epaper.jansatta.com

जनसत्ता

19 नवंबर, 2019

गहराती चुनौती

छत्तीसगढ़ के जंगलमहल और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली सहित देश के तमाम माओवादी हिंसा से प्रभावित इलाकों में किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह सभी जानते हैं। यह भी तथ्य है कि इन इलाकों में समस्या से निपटने से लेकर सुरक्षा बलों की निगरानी में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। लेकिन यह समझना मुश्किल है कि इसके बावजूद माओवादियों पर पूरी तरह काबू पाना कैसे संभव नहीं हो पा रहा है। रविवार को सामने आई एक खबर के मुताबिक बस्तर में माओवादी हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित सुकमा जिले में कुछ समय पहले सीआरपीएफ के एक शिविर के ऊपर ड्रोन यानी मानवरहित यान मंडराता देखा गया। जैसे ही सीआरपीएफ के जवान सक्रिय हुए, वैसे ही वह गायब हो गया। यह इस बात का साफ संकेत है कि एक तो ड्रोन जैसे संवेदनशील साधन भी माओवादियों की पहुंच के दायरे में आ चुके हैं और दूसरे, वे उनके जरिए अपने प्रभाव वाले इलाकों में सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर निगरानी करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि अब तक इस उपकरण का उपयोग केवल सुरक्षा बल माओवादियों पर निगरानी के लिए करते रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद सुरक्षा बलों को ड्रोन पर नजर पड़ते ही नष्ट करने के आदेश दिए गए हैं। लेकिन इससे यह साफ है कि माओवाद प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

निश्चित तौर पर यह गहरी चिंता की बात है और इसके बाद यह पता लगाने की जरूरत है कि माओवादी समूहों तक ड्रोन जैसे संवेदनशील उपकरण कैसे पहुंचे और इसका जरिया कौन है। फिलहाल इस मामले में शुरुआती जांच के दौरान खुफिया एजेंसियों को मुंबई के एक दुकानदार पर शक है कि उसने अज्ञात लोगों को ड्रोन बेचे थे। हालांकि यह कोई पहला मौका नहीं है जब माओवादियों के पास निगरानी रखने के लिए ड्रोन या दूसरे उपकरण होने के संकेत मिले हों। करीब साढ़े चार साल पहले खुद माओवादियों की एक चिट्ठी के जरिए हुए खुलासे के हवाले से यह खबर आई थी कि सुरक्षा बलों से मुकाबला करने के लिए वे ड्रोन और मोर्टार बनाना सीख रहे हैं। इसके अलावा, वे मोटरसाइकिल के इंजन को जोड़ कर ड्रोन और रिमोट के जरिए आइआइडी विस्फोट करने की तकनीक पर भी काम कर रहे हैं। यानी अब तक इस संदर्भ में जो ब्योरे उपलब्ध हो सके हैं, उससे यही संदेह है कि माओवादी समूहों की पहुंच या तो ड्रोन मुहैया कराने वालों तक है या फिर वे इसे तैयार करने की क्षमता विकसित कर चुके हैं।

जाहिर है, दोनों ही स्थितियों में यह सुरक्षा बलों और सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है कि माओवादी समूहों की आधुनिक तकनीकी तक पहुंच का सामने कैसे किया जाए। विडंबना यह है कि एक ओर माओवाद प्रभावित इलाकों में समस्या पर काबू पाने का दावा किया जा रहा है और दूसरी ओर माओवादियों की क्षमता में बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि आए दिन माओवाद प्रभावित इलाकों में तैनात सीआरपीएफ के शिविर या काफिलों पर घात लगा कर हमला किया जाता है और उसमें नाहक ही जवानों की जान चली जाती है। दरअसल, बस्तर या गढ़चिरौली जैसे उन क्षेत्रों की जटिल भौगोलिक संरचना माओवादियों को अपने अनुकूल लगती है और वहां कई बार वे किसी हमले को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। हालांकि यह भी सच है कि सुरक्षा बलों ने भी अक्सर अभियान चला कर माओवादियों पर काबू पाने की हर मुमकिन कोशिश की है। लेकिन ड्रोन से सीआरपीएफ शिविर की निगरानी के ताजा मामले से साफ है कि सुरक्षा बलों को अब अतिरिक्त चौकसी बरतने की जरूरत है।

बदलाव के संकेत

पड़ोसी देश श्रीलंका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएफपी) के उम्मीदवार गोटबाया राजपक्षे की जीत ने एक बार फिर से देश की राजनीति की दिशा बदल दी है। राजपक्षे ने यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के उम्मीदवार सजित प्रेमदासा को तेरह लाख वोटों से हराते हुए यह साबित कर दिया है कि उनकी पार्टी एसएफपी और राजपक्षे परिवार का दबदबा अभी भी पहले की तरह ही कायम है। श्रीलंका में 2005 से 2015 तक एसएफपी सत्ता में रही थी और तब गोटबाया के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे देश के राष्ट्रपति रहे थे और उनके शासनकाल में गोटबाया दो साल रक्षा मंत्री भी रहे थे। इस चुनाव में एसएफपी की जीत इसलिए भी महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है कि श्रीलंका के सिंहल बहुल दक्षिणी हिस्से में राजपक्षे की पार्टी फिर से ताकतवर बन कर उभरी है। हालांकि देश के मुसलिम और तमिल बहुल इलाकों में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी को खासी हार का सामना करना पड़ा। इससे यह भी साफ है कि देश में लंबे समय से तमिल समुदाय व अल्पसंख्यकों और सिंहलियों के बीच जो वैमनस्य चला आ रहा है, उसकी खाई अभी तक पटी नहीं है।

यह तो ठीक है कि महिंदा राजपक्षे के भाई के नाते श्रीलंका की राजनीति में गोटबाया का दबदबा बढ़ता गया, लेकिन इससे भी ज्यादा उन्हें जिस बात के लिए जाना जाता है वह है देश से मुक्ति चीतों का सफाया। राजपक्षे मूल रूप से फौजी अफसर रहे हैं और तमिल इलाकों से लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) के सफाए के अभियान को उन्होंने अंजाम तक पहुंचाया। इसलिए वे श्रीलका में 'टर्मिनेटर' के नाम से भी विख्यात हैं। सिंहली बौद्ध समुदाय में वे महानायक के रूप में देखे जाते हैं तो तमिल समुदाय में उन्हें आज भी खलनायक के तौर पर ही देखा जाता है। यही वजह है कि तमिल बहुल इलाकों में श्रीलंका फ्रीडम पार्टी जीत का मुंह नहीं देख पाई। सवाल है कि क्या नई सरकार का तमिलों के प्रति पहले जैसा द्वेषपूर्ण रवैया रहेगा या फिर वक्त के साथ उसमें कुछ उदारता देखने को मिलेगी। श्रीलंका में सिंहलियों और मुसलमानों के बीच होते रहने वाले संघर्ष भी देश के लिए कम बड़ी चुनौती नहीं हैं। श्रीलंका में पिछले साल चर्च पर जिस तरह से आत्मघाती हमले हुए और इसके पीछे इस्लामी आतंकवाद का हाथ माना गया, उससे भी नई सरकार को निपटना है। सिंहलियों को लगता है कि गोटबाया राजपक्षे ने जिस तरह से एलटीटीई का सफाया किया, उसी तरह वे इस्लामी आतंकवाद से भी निपट पाने में सक्षम होंगे।

श्रीलंका का एकमात्र पड़ोसी देश भारत है। इसलिए गोटबाया का सत्ता में आना भारत के लिए हर तरह से महत्त्वपूर्ण है और इसके दूरगामी अर्थ भी हैं। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि श्रीलंका में एक बार फिर से चीन समर्थक सत्ता की वापसी हुई है। महिंदा राजपक्षे ने भी अपने दस साल के शासन में चीन के साथ गहरी दोस्ती निभाई थी और हंबनटोटा बंदरगाह का निर्माण कर हिंद महासागर में चीन की सैन्य गतिविधियों के लिए स्थायी रास्ता बना दिया था। अब भारत के दो पड़ोसी नेपाल और श्रीलंका में चीन समर्थक सरकारें हो गई हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का चीन के प्रति प्रेम जगजाहिर है। फिर, भारत श्रीलंका में रह रहे तमिलों के हितों की अनदेखी नहीं कर सकता। यही वजह है कि श्रीलंका की नीतियां सुरक्षा और सामरिक कारणों के अलावा भारत की अंदरूनी राजनीति को प्रभावित करती हैं। ऐसे में श्रीलंका की नई सरकार भारत के प्रति क्या रुख रखती है, यह आने वाला वक्त बताएगा।

कल्पमेधा

अपने अज्ञान का आभास होना ही ज्ञान की तरफ बड़ा कदम है।

-डिजरायली

मूल्यपरक शिक्षा और सतत विकास लक्ष्य

रमेश पोखरियाल 'निशंक'

मुझे लगता है कि हमें अपने छात्रों को यह सिखाना होगा कि स्थिरता केवल पर्यावरण के बारे में ही नहीं है, बल्कि हमें समग्र विकास के विषय में सोचना है। एक समाज के रूप में, एक राष्ट्र के रूप में हमारे कार्यों से प्रकृति के साथ सामंजस्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इस बारे में प्रश्न का उत्तर ढूंढ़ना है।

सदियों पुरानी भारतीय संस्कृति ने संपूर्ण विश्व को परिवार माना है। 'अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम, उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।' संपूर्ण दुनिया में वसुधैव कुटुंबकम का महान विचार लेकर भारत देश ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' की परिकल्पना को स्वीकार करते हुए संपूर्ण मानवता के कल्याण की प्रार्थना की है। हमारा चिंतन, हमारे दर्शन और हमारे मूल्यों में एक ही भावना परिलक्षित होती है कि संसार में कोई कष्ट में न रहे। एकात्म मानववाद का चिंतन कर हमने समाज में अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प लिया है। पिछड़े, दलित, उपेक्षित वर्ग तक पहुंचना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विश्व बंधुत्व, सामाजिक समरसता, सौहार्द, परोपकार, सहिष्णुता, प्रेम की भावना को हम शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाने और पुष्पित पल्लवित करने में सक्षम हैं। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे हम समग्र विकास की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। विश्व में शीर्ष पर रहने का श्रेय हमें शिक्षा के माध्यम से ही मिला। विश्व गुरु भारत पुरातन काल में ज्ञान और विज्ञान का नेतृत्व केवल इसलिए कर पाया क्योंकि उसकी शिक्षा सर्वोत्कृष्ट और मूल्यों पर आधारित थी। नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी विश्वविद्यालय दुनिया भर के छात्रों और विद्वानों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। सदैव से ही भारत अपनी मूल्यपरक शिक्षा द्वारा वैश्विक कल्याण के साझा उद्देश्यों को साकार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ एक सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाता रहा है। आज के चुनौतीपूर्ण वातावरण में भारत विश्व का तीसरा बड़ा शिक्षा तंत्र होने के नाते तैंतीस करोड़ से ज्यादा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए कृत संकल्पित है। देश में एक हजार से ज्यादा विश्वविद्यालय और पैंतालीस हजार से ज्यादा डिग्री कालेज हैं।

सतत विकास के तीन स्तंभ आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण स्थिरता और विकास संतुलित करने पर केंद्रित है। मुझे लगता है कि हमें अपने छात्रों को यह सिखाना होगा कि स्थिरता केवल पर्यावरण के बारे में ही नहीं है, बल्कि हमें समग्र विकास के विषय में सोचना है। एक समाज के रूप में, एक राष्ट्र के रूप में हमारे कार्यों से प्रकृति के साथ सामंजस्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इस बारे में प्रश्न का उत्तर ढूंढ़ना है। 'स्थिरता' की परिभाषा से अपने विद्यार्थियों को अवगत कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यही कारण था कि जहां हमने अपने परिसरों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, वहीं 'एक पेड़ एक छात्र' अभियान चला कर अपने परिसरों को हरित परिसर बनाने का प्रयास किया है। हम शिक्षा, विज्ञान, पर्यावरण और संस्कृति के क्षेत्र में अंतराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति के निर्माण के अपने मूल जनादेश को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित हैं। मुझे लगता है कि युगों-युगों से चली आ रही हमारी शिक्षा पद्धति हमारा दर्शन, हमारा चिंतन और हमारा भाव- सब कुछ मानवता के कल्याण के लिए केंद्रित रहता है। 'असतो मा सदगमयः' असत्य से सत्य की ओर एवं 'तमसो मा ज्योतिर्गमयः' अंधकार से प्रकाश की ओर प्राणी मात्र को ले जाने के लिए हम संकल्पित हैं।

हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक बच्चे और नागरिक को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। हम समग्र शिक्षा के माध्यम से, शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 को लागू कर समस्त भारत में बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने का उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। तैंतीस वर्षों के अंतराल में हम देश के शैक्षिक क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन करने वाली नई शिक्षा नीति लाने के लिए कृत संकल्पित हैं। हमारी नई शिक्षा नीति गुणवत्तापरक, रोजगारपरक है, नवचारयुक्त, कौशलयुक्त है, सामाजिक सरोकारों से युक्त है, व्यावहारिक और शोधपरक है और पर्यावरण की रक्षा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली है।

भारत विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक लोकतांत्रिक परामर्श अभियान से नई शिक्षा नीति को कार्य रूप देने की ओर गतिशील है। लगभग सवा दो लाख लोगों के सुझाव इस बात का परिचायक हैं कि हमने शिक्षा नीति को अंतिम रूप देने के लिए सभी हितधारकों तक पहुंचने का प्रयास किया है। विद्यार्थी, अध्यापक, विद्यालय प्रबंधन, प्रशासक, नीति निर्माता, जनप्रतिनिधि एवं गैर सरकारी संगठनों समेत हमने हर वर्ग तक पहुंचने में सफलता पाई है। सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में यह नीति

सफल साबित होगी। हमारा लक्ष्य है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर शिक्षा को नवाचार युक्त गुणवत्तापरक बनाया जाए। भारत उच्च शिक्षा नीति को गुणात्मक एवं वहनीय बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

स्वयं पोर्टल के माध्यम से हम भारत के ही नहीं, बल्कि विदेशी छात्रों को भी निशुल्क उच्च शिक्षा देने के लिए प्रयासरत हैं। भारत के ही एक करोड़ तेईस लाख छात्र स्वयं पोर्टल के तहत शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विज्ञान भारती एवं 'आरोग्य भारती' के माध्यम से हम ज्ञान के भंडार को निशुल्क बांटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अफ्रीकी राष्ट्रों के साथ हमारा इस संबंध में समझौता हो चुका है। समूचे विश्व के छात्र भारत में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 'स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम' के तहत भारत की सौ से ज्यादा सर्वोत्तम शिक्षण संस्थाएं विश्व भर में छात्रों के लिए आकर्षक शिक्षा केंद्र के रूप में उपलब्ध हैं।

शिक्षा के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और विश्व धरोहर स्थलों के संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करना हमारी प्राथमिकता है। भाषा राष्ट्र की अभिव्यक्ति है और भाषा के बगैर राष्ट्र गूंगा है। भाषा के महत्त्व को समझते हुए नई नीति के माध्यम से हम देश की हिंदी, संस्कृत सहित सभी भारतीय भाषाओं को संरक्षित, पुष्पित एवं पल्लवित करने में जुटे हैं। भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कटिबद्ध है। मानव सभ्यता हमारी आधुनिक जीवन शैली को बनाए रखने के लिए संसाधनों का उपयोग करती है। मानव इतिहास में अनगिनत उदाहरण हैं जहां सभ्यता ने विकास के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया है। हमें क्षति और विनाश से बचाते हुए इस बात को ध्यान में रखना है कि हम प्राकृतिक दुनिया के साथ कैसे तालमेल बिठा सकते हैं।

ब्रिटिश काल के दौरान शुरू हुई मूल्यों की गिरावट लंबे समय तक जारी रही। यह हमारा सौभाग्य रहा कि स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस जैसे सिद्धांतों और मूल्य युक्त नेतृत्व ने हमारा मार्गदर्शन किया। उन्होंने सत्य और अहिंसा के अपने शक्तिशाली मूल्यों के साथ भारत को अपनी ताकत वापस पाने में मदद की। आजादी के सत्तर वर्षों के बाद प्रभावी प्रबंधन और अस्तित्व के लिए इन मूल्यों पर वापस जाने की आवश्यकता है।

मानवता के लिए शिक्षा को संयुक्त रूप से बदलने के लिए अंतरराट्रीय साझेदारी की अनूठी पहल को साकार करने के लिए एवं मानवता के लिए शिक्षा को संयुक्त रूप से बदलने के लिए मैं वैश्विक साझेदारी की आशा करता हूं। आज हम परिवार के अंदर बंट गए हैं, खुद को कंप्यूटर तक सीमित कर लिया है और स्मार्टफोन को अपनी दुनिया बना लिया है। इन जंजीरों से निकलने में बापू के विचार हमारे लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

आज के युग में भारत इस तरह की पहल शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, जल और स्वच्छता के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ मिल कर करना चाहता है। मैं सभी सम्मानित देशों से अनुरोध करता हूं कि हम सब मिल कर के सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करें।

(लेखक मानव संसाधन विकास मंत्री हैं। यह लेख यूनेस्को में दिए उनके भाषण का अंश है।)

नशे के उत्सव

संतोष उत्सुक

दुनिया मेरे आगे

धार्मिक आयोजनों की आन-बान-शान में पिछले सालों में काफी इजाफा हुआ है। मेरे घर की छत से जुलूस की रौनक खूब दिखती है। मैंने देखा है कि जुलूस का मुख्य आधार और आकर्षण, अनगिनत लाउडस्पीकरों पर डीजे की तीव्र और अधिकतम फिल्मी धुन आधारित भजनों पर सैकड़ों युवा डांस करते हैं। विद्यार्थी अपने दोस्तों के साथ मजे के लिए आते हैं, जिनमें युवतियां भी शामिल होती हैं। जुलूस शाम को होता है, संभव है कि ऊर्जा बढ़ाने के लिए एकाध पैग शराब भी ले ली हो। वैवाहिक या उत्सवीय मनोरंजन के लिए यह सामान्य बात है। उत्सव से अगले दिन की चित्र-खबरें बताती हैं कि भक्त, जिनमें राजनीतिक खिलाड़ी और अनाड़ी शामिल हैं, की संस्थाओं द्वारा आयोजित अनेक कार्यक्रमों में शोरदार डीजे का प्रबंध हुआ। भांग के पकौड़े और घोटा, अगाध प्रेम, श्रद्धा और भक्ति के साथ लेने के लिए युवा बाजुओं में होड़ रही। चिलम से कश लगाने के शौकीनों के लिए चांदी से बनी चिलमों का प्रबंध भी किया। देवताओं की शादी के जश्न में प्रसाद ग्रहण करना, बताते हैं एक हजार गुणा फल देता है!

खीर या फलों का प्रसाद पेट भरता है, लेकिन दूसरा प्रसाद चित्त प्रसन्न कर देता है और प्रिय साथी का संग हो तो बेहद आनंद मिलता है। पेट संतुष्टि से ज्यादा मन संतुष्टि मानी जाती है। साफ है कि इन आयोजनों में नशे को मनोरंजन के बहाने एक 'लांच पैड' मिल जाता है। धार्मिक आयोजनों की तड़क-भड़क, डीजे का करारा छौंक, भांग और घोटे की सुलभ उपलब्धता युवा जीवन को अनुशासन तोड़ने के लिए उकसाती है। क्या प्रसाद के नाम पर भांग, घोटा या ऐसा कुछ और नशे का खुला प्रचार नहीं है? यह विडंबना है कि एक तरफ तो सरकार और संस्थाएं मिल कर भांग के पौधे उखाड़ने का अभियान चलाती हैं, लेकिन हर बरस फिर हरी-भरी हो जाने वाली भांग ही अभियान को उखाड़ देती है। प्रसाद रूप में सर्वत्र उपलब्ध होकर, राजनेताओं के प्रश्रय में बंट कर फिर अपने बाहुपाश में बांधती है। यहीं विद्यार्थी जीवन में अनुशासन से छिटक कर जिंदगी, नशे के मनोरंजन की गर्त में धंसती जाती है।

हजारों युवाओं में जो मस्ती और मनोरंजन के लिए जुलूस में शामिल होते हैं, कहीं न कहीं नशे का बीज रोपित हो जाता है जो बड़ा होते-होते पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक और विशेषकर दिशाहीन शिक्षा और बेरोजगारी जैसी परिस्थितियों के कारण दूसरे नशों की खाद से बढ़ता है। नशा बेचने वालों का तंत्र बहुत चतुर है। पुलिस सूचनाओं और खुफिया सूचनाओं के आधार पर अपने हिसाब से निरंतर काम करती है। लेकिन अधिकतर सूचनाएं लुप्त रह जाती हैं। कभी पुलिस छापे में 1.18 ग्राम स्मैक मिलती है तो कभी एक किलो चरस या काफी मात्रा में चिट्टा। सरकार अनेक योजनाओं के अंतर्गत प्रयास करती है। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं भी सेमिनार, जुलूस के माध्यम से कोशिश करते हैं, लेकिन नशे की लत निरंतर लगाए रखने वाले भी कम नहीं होते।

किसी जमाने में नशा करने वाले कफ सिरप गटकते थे, ब्रैड पर आयोडेक्स लगाकर खाते थे। अब तो तंबाकू, चरस, अफीम, गांजा, भुक्की, सुल्फा- कितना कुछ कितनी जगह आसानी से उपलब्ध है! दवा दुकानों पर नशीली गोलियां भी बेची जा रही हैं, आम जनता और महिला मंडल संघर्षरत हैं, प्रदर्शन कर रहे हैं। नियम और कानून सख्त हैं, प्रशासन है, लेकिन कार्यान्वयन की संजीदगी गायब है।

पहले जीवन सादा, सरल था और युवा मेहनती। लेकिन विकास और संप्रेषण के अति विकसित होते साधनों ने नशे पर भी बहुत काम किया और जाल बिछाने में समय नष्ट नहीं हुआ। कहा जाता है कि युवा अपना समय पढ़ाई और खेल में लगाएं, नशे में नहीं। लेकिन हर हाथ में मोबाइल की उपलब्धता ने हर समय अपने आप से खेलने की जो सुविधा दी है, वह अब दुविधा में तब्दील हो चुकी है। नशा तेजी से युवावस्था से बचपन की ओर बढ़ रहा है जो ज्यादा खतरनाक प्रवृत्ति है। जरूरत है बेहद व्यावहारिक तरीके अपनाने की, बचपन से युवा हो रहे युवक-युवतियों को घर पर उनके अभिभावकों स्कूल में अध्यापकों और वरिष्ठ मित्रों द्वारा नशे के दूरगामी प्रभावों के बारे में खबरदार करना बेहद आवश्यक है। सामाजिक संस्थाओं की भूमिका कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। बच्चा अपने अभिभावकों की व्यस्तता के कारण वांछित समय और तवज्जो न मिलने के कारण भी नशे की राह पकड़ता है। बच्चों और विद्यार्थियों को अभिभावकों और अध्यापकों की डांट और सजा का खौफ अनुशासन में रखता था, लेकिन हम सबने मिल कर सामाजिक ढांचे का पुनर्निर्माण ऐसा किया कि स्वतंत्रता ज्यादा बेलगाम हो गई। अब अभिभावकों और अध्यापकों की निरंतर और संयुक्त देखरेख और जिम्मेदारी की जरूरत है। सरकार की ओर से पुलिसकर्मियों और दवा निरीक्षकों की संख्या बढ़ा कर नशे के फैलते जाल को खत्म करने के लिए अतिरिक्त सुविधाएं देना बहुत लाजिमी है। हमें फिर पुराने तौर-तरीकों की तरफ लौटने की जरूरत है।

विमर्श की जरूरत

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तराखंड आयुर्वेद संस्थान, राजस्थान विश्वविद्यालय सहित देश के अनेक शिक्षण संस्थानों में इन दिनों विद्यार्थी पढ़ाई के स्थान पर प्रदर्शनरत हैं। सरकारी नीतियों, मनमानी, बढ़ती फीस आदि कारणों से विद्यार्थियों में असंतोष उपजा है जिसके चलते वे सरकारी शिक्षण संस्थानों में बढ़ते व्यापारीकरण, निजीकरण और स्वयं वित्तपोषित पढ़ाई का एकजुट होकर विरोध कर रहे हैं।

भारतीय संविधान कल्याणकारी राज्य की संकल्पना करता है। इसका अर्थ है कि नागरिकों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना राज्य का दायित्व है। देश के हर व्यक्ति तक जीवन की ये मौलिक सुविधाएं न पहुंचा पाना राज्य की नाकामी है। ऐसे में यदि सरकार शिक्षा में भी धंधा करने लग जाए, फायदा-मुनाफा देखकर शिक्षण संस्थान चलाएं तो यह खेदजनक है।

उत्तराखंड के सोलह आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राएं बीते डेढ़ महीनों से नियम-कायदों व नैतिकता को ताक पर रख कर प्रशासन द्वारा की गई फीस वृद्धि के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की लाठियां झेल रहे हैं। संवैधानिक तरीके से उच्च न्यायालय में मामला जीतने के बाद भी बढ़ी हुई फीस वापस नहीं हो रही है। इसी तरह दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र अपने उत्तर परिसर स्थित रक्षा मंत्रालय की जमीन को एक निजी बिल्डर को दिए जाने और उस पर 39 मंजिला इमारत बनने के विरोध में हड़ताल पर है। विद्यार्थियों और शिक्षकों का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर में कोई भी निर्माण शुरू करने से पहले विश्वविद्यालय से स्वीकृति लेना जरूरी है, लेकिन बगैर किसी अनुमति के निजी कंपनी यहां निर्माण कर कानून का उल्लंघन कर रही है। चूंकि दिल्ली विश्वविद्यालय के पांच फीसद विद्यार्थियों के लिए ही हॉस्टल सुविधा उपलब्ध है तो छात्र चाहते हैं कि इस जमीन पर हॉस्टल बनना चाहिए।

राजस्थान विश्वविद्यालय में साल-दर-साल परीक्षा फीस में बढ़ोतरी की जा रही है। छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन फीस घटाने की कवायद नहीं कर रहा। ऐसे में देश के सरकारी विश्वविद्यालों में शिक्षा के इस कदर होते व्यापारीकरण से आर्थिक तौर पर कमजोर विद्यार्थियों को बेहतर संस्थान में पढ़ने व उच्च शिक्षा प्राप्ति से वंचित होना पड़ सकता है। वह भी तब जब दुनिया के शीर्ष 300 शिक्षण संस्थानों में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय शामिल नहीं। हमारे केवल 2.5 प्रतिशत कॉलेज पीएचडी करा पाने में सक्षम हैं। इसी के साथ केवल 0.5 फीसद छात्र शोध शिक्षा हासिल कर पाते हैं। हमारे उच्च शिक्षण संस्थान वैज्ञानिक सोच और शोध विकसित कर पाने में समर्थ नहीं हैं। यही कारण है कि आज देश में उच्च शिक्षा की सुलभता व सुगमता अति आवश्यक है। हर आम व वंचित छात्र से दूर जाती उच्च शिक्षा को बचाना जरूरी है। सस्ती शिक्षा के लिए छात्र-छात्राओं द्वारा किया जा रहा विरोध प्रदर्शन राजनीतिक प्रभुत्व की इच्छाशक्ति के लिए न होकर विश्वविद्यालयी शिक्षा को बचाए रखने के लिए है। अपनी मांगों व विषयों पर अक्सर प्रदर्शन कर विरोध जताने वाले विद्यार्थियों को प्रशासन से तार्किक विमर्श का मौका देना चाहिए।

● *कृष्ण जांगिड़, राजस्थान विश्वविद्यालय*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

सच के साथ

कुछ दिन पहले पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक ने टीवी की बहसों या 'टॉक शो' के दौरान उद्घोषकों के विशेषज्ञ के रूप में राय देने पर प्रतिबंध लगा दिया। यह अच्छा कदम है। इन दिनों वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से भारत में, देखा जा रहा है कि मीडिया किसी भी मुद्दे पर स्वयं एक निर्णयदाता की शब्दावली का प्रयोग करते हुए तथ्यों को परोसने लगता है। वह खुद ही विशेषज्ञ बन जाता है। आज की भाग-दौड़ वाली जिंदगी में लोग खबरों की सत्यता तक पहुंचने की जहमत नहीं उठाना चाहते। जो टीवी पर देखा वही मान लिया। यहां तक तो गनीमत है। दिक्कत तब खड़ी हो जाती है जब हम 'तथाकथित सत्य' को 'ध्रुव सत्य' मानकर प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे जो पूर्वाग्रह निर्मित होता है वह हमारी एकता में बाधक है।

● *विशाल कुमार शर्मा, जेएनयू, दिल्ली*

विविधता का संरक्षण

बदलते वैश्विक परिवेश और जलवायु में होते परिवर्तन को देखते हुए मानव अस्तित्व के लिए जैव विविधता अति आवश्यक है। जीवन का हर रूप एक-दूसरे पर इतना निर्भर है कि किसी एक प्रजाति पर संकट आने से दूसरे में असंतुलन की स्थिति पैदा हो जाती है। यदि पौधों और प्राणियों की प्रजातियां संकट की स्थिति में होती हैं तो इससे पर्यावरण में गिरावट उत्पन्न होती है और अंततः मनुष्य का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है।

लिहाजा, आज यह अति अनिवार्य है कि मानव को पर्यावरण-मैत्री संबंधी पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जाए और विकास की ऐसी व्यावहारिक गतिविधियां अपनाई जाएं जो दूसरे जीवों के साथ समन्वित और सतत पोषणीय हों। इस तथ्य के प्रति भी जागरूकता बढ़ रही है कि संरक्षण तभी संभव है और दीर्घकालिक होगा, जब स्थानीय समुदायों व प्रत्येक व्यक्ति की इसमें भागीदारी होगी। इसके लिए स्थानीय स्तर पर संस्थागत संरचनाओं का विकास आवश्यक है। केवल प्रजातियों का संरक्षण और आवास स्थान की सुरक्षा अहम समस्या नहीं है बल्कि संरक्षण की प्रक्रिया को जारी रखना भी उतना ही जरूरी है।

● *सूर्यभानु बांधे, रायपुर, छत्तीसगढ़*

सांस में जहर

तरक्की की दौड़ में हम इतने बेखबर हुए कि दिल्ली की फिजाओं में जहर घुल गया और हम खड़े-खड़े गुबार देखते रहे। मौसम के बहकावे में तलवे की धूल भी सिर के ऊपर उड़ने लगी। हंगामा खूब बरपा मगर सांस में घुलते जहर से राहत की तरकीब नहीं मिली। दिल्ली के धुएं का असली गुनहगार पराली है या नहीं मगर राजनीतिक आबोहवा में बेशक बवंडर मच गया। शहर की जानलेवा हवा पर बैठक में पच्चीस सदस्यों की अनुपस्थिति और गौतम गंभीर की जलेबी सुर्खियां बन कर रह गईं। बहरहाल, नई फसल की तैयारी के मद्देनजर महंगी मजदूरी का मारा किसान खेतों में पराली जलाने पर मजबूर है। पराली का इस्तेमाल कागज उत्पादों के लिए सुनिश्चित करना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। लिहाजा, सरकार को पराली हटाने की जिम्मेदारी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत कागज निर्माताओं को सौंप देनी चाहिए। राजनीति की भयावह आग दिल्ली की हवा को और जहरीला न बना दे, पराली सहित सभी विकल्पों पर गंभीरता दिखानी होगी।

● *एमके मिश्रा, रातू, झारखंड*

जरा हट के

मेक्सिको सिटी में कोरोना कैपिटल संगीत समारोह में अमेरिकन रॉक बैंड 'द वॉइज' के जूलियन कासाब्लैंकास लोगों का मनोरंजन करते हुए।

बोल

हमारा मानना है कि क्षेत्र की समृद्धि का रास्ता और आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य शांति में निहित है।
-इमरान खान, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

विवाद

हम तनाव नहीं बढ़ाना चाहते हैं लेकिन लंबे समय तक लड़ने के लिए तैयार है। आतंकी कहीं भी छुपे हुए हों, इजरायल उनका सफाया करके ही दम लेगा।
-बेंजामिन नेतन्याहू, इजराइल के प्रधानमंत्री

सम-सामयिक

श्रीलंका : भारत से संबंधों को क्या मोड़ देंगे गोटबाया राजपक्षे

जनसत्ता संवाद

श्रीलंका में गृहयुद्ध के दौरान विवादित रक्षा सचिव रहे गोटबाया राजपक्षे राष्ट्रपति चुनाव जीत गए हैं। राजपक्षे की विजय के बाद श्रीलंका में एक बार फिर चीन की गतिविधियां बढ़ने का अंदेशा जताया जा रहा है। श्रीलंका के राजनीतिक घरानों में से एक राजपक्षे परिवार का चीन के प्रति झुकाव जगजाहिर है। गोटबाया राजपक्षे वहां के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार साजिथ प्रेमदासा को हराया है। साजिथ प्रेमदासा नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट (एनडीएएफ) का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनका फ्रंट दक्षिणपंथी झुकाव वाले सत्तारूढ़ यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के साथ गठबंधन का सदस्य है। 52 साल के साजिथ प्रेमदासा पूर्व राष्ट्रपति रणसिंघे प्रेमदासा के बेटे हैं।

श्रीलंका की राजनीति पर निगाह रखने वालों का मानना है कि गोटबाया की जीत चीन के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि उनके बड़े भाई के सत्ता में रहते हुए श्रीलंका में चीन ने खूब निवेश किया था। महिंदा राजपक्षे 2005 तक सत्ता में रहे थे। महिंदा राजपक्षे ने चीन से अरबों डॉलर का उधार भी लिया था और कोलंबो बंदरगाह के द्वार चीन के युद्धपोतों के लिए खोल दिए थे। चीन ने कोलंबो बंदरगाह को भी विकसित करने में काफी बड़ी भूमिका निभाई है।

गोटबाया को लिट्टे के साथ तीन दशक से चल रहे गृहयुद्ध को 2009 में निर्दयतापूर्ण तरीके से खत्म करने का श्रेय जाता है। इसके लिए उन्हें टर्मिनेटर कहा जाता था। गोटबाया की अपने देश में खलनायक एवं नायक दोनों की छवि है। बहुसंख्यक सिंहली बौद्ध उन्हें युद्ध नायक मानते हैं। वहीं अधिकतर तमिल अल्पसंख्यक उन्हें खलनायक मानते हैं और अविश्वास की नजर से देखते हैं। गोटबाया राजपक्षे 52.25 फीसद वोटों से राष्ट्रपति चुनाव जीते हैं। वे अधिकांश सिंहल बहुल वाले दक्षिणी जिलों में जीते हैं, जबकि तमिल बहुसंख्यक वाले गृह युद्ध से प्रभावित उत्तरी प्रांत और मुस्लिम बहुल पूर्वी प्रांत में 65 से 70 फीसद वोटों से हार गए।

यह शंका जताई जा रही है कि राजपक्षे राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में धार्मिक और जातीय रूप से अल्पसंख्यकों के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। इससे देश में धार्मिक और जातीय तनाव उभर सकता है। घरेलू स्तर पर राजपक्षे को तेजी से कई काम निबटाने होंगे। 2020 में संसदीय चुनाव होने हैं और देश की अर्थव्यवस्था सुस्त है, भ्रष्टाचार चरम पर है और जातीय तनाव व्याप्त है।

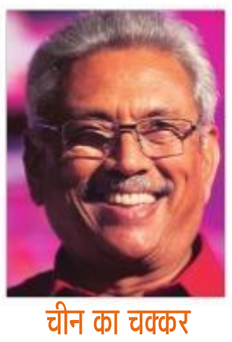

चीन का चक्कर

राजपक्षे का जीतना भारत के लिए झटका साबित हो सकता है। दरअसल, राजपक्षे चीन समर्थक माने जाते हैं। पहले ही कहा जा रहा था कि अगर उनकी जीत हुई तो भारत के लिए यह अच्छी बात नहीं होगी। दूसरी तरफ सत्ताधारी पार्टी के उम्मीदवार सजीथ प्रेमदासा, जिन्हें हार मिली है उनका रुख स्पष्ट नहीं था। पहले वह चीन के आलोचक थे, लेकिन अब उनके सुर में नरमी देखी जा रही थी।

गोटबाया का भारत से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 1980 में असम में उग्रवाद विरोधी अभ्यास में हिस्सा लिया था। 1983 में उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा अध्ययन में स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की। बतौर रक्षा सचिव वह 2012 और 2013 में भारत की यात्रा पर आए थे। राजनयिक स्तर पर भारत उम्मीद कर रहा है कि श्रीलंका की नई सरकार के साथ रिश्ते बेहतर होंगे, क्योंकि भारत कोलंबो बंदरगाह में ईस्टर्न कंटेनर टर्मिनल बनाने को लेकर श्रीलंका के साथ एक समझौता कर चुका है। भारत आने वाला बहुत सारा सामान इसी कोलंबो बंदरगाह से होकर आता है। ऐसे में श्रीलंका में कोई भी सत्ता में रहे भारत उससे संबंध खराब करना नहीं चाहेगा।

रणनीतिक लिहाज से श्रीलंका अहम है। भारत और चीन-दोनों ही के रणनीतिक व कूटनीतिक हित वहां से जुड़े हैं। हिंद महासागर में श्रीलंका की मौजूदगी, व्यापारिक दृष्टि से दोनों देशों के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण है।

शोध-अनुसंधान

शारीरिक विकास में भारतीय किशोर पिछड़े

जनसत्ता संवाद

आज लगभग दुनिया के सभी देशों में बच्चों की शारीरिक वृद्धि में रुकावट एक बड़ी समस्या है। वहीं एक शोध से पता चला है कि भारतीय बच्चे पेरू, वियतनाम और इथोपिया की तुलना में इस समस्या से अधिक ग्रसित हैं। भारत के बच्चों की किशोरावस्था में ही वृद्धि रुक जाती है।

यह अध्ययन अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने किया है। शोध के लिए 2002 तथा 2016 के बीच भारत, इथोपिया, पेरू और वियतनाम के कुल 7,128 बच्चों को लेकर पांच चरणों में सर्वेक्षण किया गया। शोध में ग्रामीण एवं शहरी तथा गरीब और अमीर सभी तबके के बच्चों को शामिल किया गया था। सर्वेक्षण में पेरु, इथोपिया और वियतनाम में पूरे देश से जबकि भारत में सिर्फ आंध्र प्रदेश के बच्चों को लिया गया था। इन बच्चों के एक, पांच, आठ, बारह और पंद्रह साल के होने पर उनकी वृद्धि में रुकावट संबंधी आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण किया गया। शोध में पाया गया कि इन चारों देशों में औसतन 43 फीसद बच्चे एक से पांच साल की उम्र में ही वृद्धि अवरोध (स्टन्टिंग) से ग्रस्त हो गए थे। इन बच्चों में से लगभग 32-41 फीसद बच्चे किशोरावस्था तक भी ठीक नहीं हो पाए। हांलाकि लगभग 31-34 फीसद बच्चों में सुधार हुआ लेकिन वयस्क होने के पहले वे इससे फिर से ग्रसित हो गए। अध्ययन में यह भी पाया गया कि पांच साल तक सामान्य वृद्धि कर रहे बच्चों में से भी 13.1 फीसद बच्चों की वृद्धि 8 से 15 साल के बीच रुक गई।

शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिकांश बच्चे कई कारणों से बचपन और प्रारंभिक किशोरावस्था के बीच अपनी उम्र के अनुरूप बढ़ नहीं पाते हैं। भौगोलिक स्तर पर बच्चों में वृद्धि अवरोध, उसमें सुधार तथा दुबारा वृद्धि रुकने की प्रवृत्तियों में उल्लेखनीय भिन्नता दिखी। एक साल वाले बच्चों को छोड़कर शेष सभी चरणों में भारतीय बच्चों में वृद्धि में रुकावट का प्रतिशत सबसे अधिक देखा गया है। एक साल के बच्चों में वृद्धि में रुकावट का फीसद इथोपिया में सर्वाधिक 41 पाया गया, जो भारत में 30 फीसद था। इथोपिया को छोड़कर बाकी तीनों देशों में एक वर्षीय बच्चों की तुलना में पांच वर्षीय बच्चों में वृद्धि अवरोध ज्यादा दिखा। शोधकर्ताओं के अनुसार हालांकि उम्र बढ़ने के साथ साथ वृद्धि अवरोध की समस्या में उल्लेखनीय कमी दिखी। लेकिन भारत में बाकी देशों की तुलना में पांचों चरणों में बच्चों और किशोरों में वृद्धि अवरोध की समस्या लगभग एक जैसी ही रही। भारत में किशोरों में वृद्धि अवरोध सबसे ज्यादा 27 फीसद, वहीं वियतनाम में सबसे कम 12.3 फीसद थी।

इस शोध में भारतीय मूल के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर एसवी सुब्रमण्यन के अलावा जेवेल गॉसमैन और रॉकली किम भी शामिल थे। प्रोफेसर एसवी सुब्रमण्यन ने बताया, 'बच्चों में वृद्धि अवरोध एक प्रतिवर्ती क्रिया है, जो कई परिस्थितियों जैसे आनुवांशिक, आर्थिक और भौगोलिक पर निर्भर होती है। वैसे तो बच्चे बचपन से लेकर किशोरावस्था तक कभी भी इसके शिकार हो सकते हैं, लेकिन अनुकूल परिस्थितियां मिलने पर उनमें पुनः वृद्धि हो सकती है। हालांकि कई बार ठीक हुए बच्चों में भी प्रतिकूल परिस्थितियों से दुबारा वृद्धि रुक जाने का खतरा होता है। अतः बच्चों में किशोरावस्था तक भी उनकी वृद्धि रुकने के बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।' शोध के फलस्वरूप प्रारंभिक 1000 दिनों के साथ किशोरावस्था तक भी बच्चों की वृद्धि पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए तो उनकी रुकी हुई वृद्धि का हल हो सकता है। यह अध्ययन भविष्य में इन चारों देशों में बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों की वृद्धि की प्रवृत्तियों का पता लगाने में सहायक साबित हो सकता है। वहीं इससे बच्चों में वृद्धि अवरोध से मुक्ति और सुधार के लिए नीति निर्धारकों को बेहतर समझ भी मिल सकती है।

भारत में किशोरावस्था में ही बच्चों की वृद्धि रुक जाती है। देश में किशोरों की शारीरिक वृद्धि पेरू, वियतनाम और इथोपिया के बच्चों से भी बदतर है। भारतीय बच्चों में वृद्धि में रुकावट का प्रतिशत सबसे अधिक देखा है।

विश्व परिक्रमा

ऑस्कर विजेता पोलांस्की पर बलात्कार का आरोप

रविवार, 10 नवंबर : फ्रांस की पूर्व मॉडल ने ऑस्कर विजेता निर्देशक रोमन पोलांस्की पर आरोप लगाया है कि उन्होंने स्विस स्की रिजॉर्ट में उनसे बलात्कार किया था। मॉडल के मुताबिक, घटना तब की है जब वह किशोरी थी। पोलांस्की (86) एक लड़की से बलात्कार करने का आरोप स्वीकार करने के बाद 1978 में अमेरिका से फ्रांस भाग गए थे।

हांगकांग में प्रदर्शनकारियों ने की तोड़फोड़

सोमवार, 11 नवंबर : हांगकांग में प्रदर्शनकारियों ने लोकतंत्र समर्थक जनप्रतिनिधियों की गिरफ्तारी के बाद रविवार को एक सबवे स्टेशन और एक शॉपिंग मॉल की खिड़कियों के कांच तोड़ दिए। प्रदर्शन छठे महीने में प्रवेश कर गया है। ये प्रदर्शन चीन के प्रस्तावित प्रत्यर्पण कानून को लेकर शुरू हुआ था।

मलेशिया में पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ चलेगा

मंगलवार, 12 नवंबर : मलेशिया की अदालत ने सोमवार को कहा कि अभियोजन पक्ष ने 1एमडीबी भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के लिए पर्याप्त आधार पेश किए हैं। इसके बाद अब पूर्व नेता नजीब रजाक के खिलाफ सुनवाई शुरू की जाएगी।

व्लादिमीर पुतिन

चीन में बच्चों पर रसायन हमला, 51 झुलसे

बुधवार, 13 नवंबर : दक्षिण पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत में किंडरगार्टन स्कूल में जबरन घुसकर एक व्यक्ति ने छात्रों पर हानिकारक रसायन से हमला किया। इस हमले में 51 बच्चों समेत कम से कम 54 लोग जल गए। चीन की सरकारी समाचार एजंसी ने अधिकारियों के माध्यम से बताया कि घटना सोमवार को कैयुआन शहर में हुई।

शरीफ ने विदेश जाने की सशर्त अनुमति ठुकराई

गुरुवार, 14 नवंबर : पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इलाज कराने के लिए ब्रिटेन जाने के वास्ते 700 करोड़ रुपए के क्षतिपूर्ति बॉन्ड जमा कराने की इमरान खान सरकार की मांग मानने से बुधवार को इनकार कर दिया और कहा कि यह 'गैरकानूनी' है। साथ ही शरीफ ने अपने स्वास्थ्य के मुद्दे पर राजनीति करने की कोशिशों की निंदा भी की।

बाढ़ के कारण वेनिस शहर में आपात स्थिति

शुक्रवार, 15 नवंबर : इटली के वेनिस शहर में करीब 6 फीट (1.87 मीटर) तक पानी भर जाने के बाद सरकार ने आपात स्थिति की घोषणा कर दी है। समंदर का पानी शहर में घुस जाने से बैसिलिका समेत शहर की कई जानी मानी जगहें पानी से घिर गई हैं।

भारत को समय पर मिलेगा एस-400 : पुतिन

शनिवार, 16 नवंबर : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस की भारत को सतह से हवा में मार करने वाली 'एस-400 प्रेक्षपास्त्र' प्रणाली की आपूर्ति तय कार्यक्रम के मुताबिक करने की योजना है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब इस सौदे को लेकर अमेरिका की तरफ से चेतावनी दी जा रही है।

जानें-समझें

अयोध्या में ट्रस्ट गठन

'रसूख' की होड़ में बढ़ता तापमान

दीपक रस्तोगी

अयोध्या में राम मंदिर का रास्ता अदालत ने भले साफ कर दिया है, लेकिन इसके लिए ट्रस्ट गठन का रास्ता आसान नहीं लग रहा। सरकार ने अभी इसकी कवायद नहीं शुरू की है, लेकिन शीर्ष संत-धर्माचार्यों में ट्रस्ट का मुखिया बनने और इसमें शामिल होने को लेकर तनातनी सामने आ गई है। विवाद इस स्तर तक पहुंच गया है कि साधु-संत अपने विरोधियों के खिलाफ न सिर्फ अपशब्द बोल रहे हैं, बल्कि हिंसक संघर्ष तक की नौबत है। हाल में खबर आई कि राम जन्मभूमि न्यास के महंत नृत्यगोपालदास पर कथित तौर पर अभद्र टिप्पणी के बाद उनके समर्थकों ने तपस्वी छावनी के संत परमहंसदास पर हमला बोल दिया। पुलिस ने परमहंसदास को निकाला। इसके बाद आचरण की बात उठाते हुए तपस्वी छावनी ने उन्हें निष्कासित कर दिया। विवाद में सिर्फ यही दो पक्ष नहीं हैं। पहले से चल रहे तीन ट्रस्टों के अलावा अयोध्या के प्रभावशाही संत और धर्माचार्यों में भी कटुता बढ़ रही है।

दावेदारी और पद की मांग

श्रीरामजन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के बाद निर्मोही अखाड़ा ने ट्रस्ट में न सिर्फ शामिल होने, बल्कि अध्यक्ष या सचिव पद की मांग कर दी है। महंत और अखाड़ा-दोनों की मांगों पर केंद्र ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट और दस्तावेज मंगाए हैं। अयोध्या मंदिर ट्रस्ट का मामला गृह मंत्रालय के बाद अब सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय देख रहा है। राममंदिर निर्माण के लिए तीन ट्रस्ट- श्रीरामजन्मभूमि न्यास, श्रीरामजन्मभूमि रामालय न्यास और श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास में दावेदारी गरमाई हुई है। निर्मोही अखाड़े की ओर से पीएमओ को मांग पत्र भेजा गया है। जबकि, श्रीरामजन्मभूमि न्यास का कहना है कि नया ट्रस्ट बनाने की जरूरत नहीं है। हमें ही मंदिर का काम सौंपा जाए।

क्या करते हैं तीनों ट्रस्ट

सबसे पुराना ट्रस्ट श्रीरामजन्मभूमि न्यास है, जो वर्ष 1985 में विश्व हिंदू परिषद की देख-रेख में बना था और यही ट्रस्ट कारसेवकपुरम में कई सालों से मंदिर निर्माण के लिए पत्थर तराशने का काम कर रहा है। दूसरा ट्रस्ट रामालय ट्रस्ट है, जो विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद वर्ष 1995 में बना था और इसके गठन के पीछे तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहराव की भूमिका मानी जाती है। रामालय ट्रस्ट का गठन साल 1995 में द्वारका पीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती समेत 25 धर्माचार्यों की मौजूदगी में अयोध्या में रामजन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिए किया गया था। इसके गठन में शृंगेरीपीठ के धर्माचार्य स्वामी भारती भी शामिल थे। तीसरा ट्रस्ट जानकीघाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण के नेतृत्व में बना श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास है। ये तीनों ही ट्रस्ट अपने- अपने नेतृत्व में मंदिर निर्माण ट्रस्ट बनाने के लिए दबाव बना रहे हैं।

अयोध्या एक्ट- 1993 का तर्क

अयोध्या श्रीरामजन्मभूमि रामालय न्यास का कहना है कि श्रीरामजन्मभूमि न्यास, अयोध्या एक्ट 1993 से पहले का बना है, जिसकी वजह से पात्रता नहीं रखता। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास के अध्यक्ष महंत जन्मेजय शरण रामालय की कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। दोनों ट्रस्ट के महंतों का तर्क है कि निर्मोही अखाड़े को सिर्फ ट्रस्ट में जगह देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, ट्रस्ट का दायित्व संभालने के लिए नहीं।

वृंदावन के संत भी आगे आए

वृंदावन के संतों ने भी राम मंदिर ट्रस्ट में स्थान देने की मांग उठाई है। कालीदह स्थित अखंड दया धाम में इसी हफ्ते संत-महंतों की धर्मसभा में केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पहुंची। इस धर्मसभा में आठ प्रस्ताव पास किए गए, जिसमें राम मंदिर निर्माण के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट में वृंदावन के दो संतों को स्थान देने की मांग की गई।

नए ट्रस्ट के स्वरूप की चर्चा

सरकार द्वारा गठित किए जाने वाले ट्रस्ट का मॉडल कैसा हो, इसको लेकर अलग-अलग तरह के तर्क सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय को ट्रस्ट का स्वरूप तय करना है। सरकार के पास वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, तिरुपति बाला जी, बद्रीनाथ के साथ शैव संप्रदाय के सोमनाथ मंदिर व काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के मॉडल हैं, जिनमें सीईओ जैसे पद हैं। इन ट्रस्टों में स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर संत-धर्माचार्य तक शामिल हैं।

सरकार कहीं से शामिल नहीं हो सकती। ऐसा सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है। सरकार विस्तार से लेकर वित्तीय व्यवस्था साधु-संतों के हवाले न करके भले ही अपने हाथ में धर्मार्थ कार्य विभाग के जरिए रख सकती है।

क्या है जानकारों की राय

फाइल फोटो

मंदिर स्थल पर रखी गई नक्काशी वाली शिलाएं

केंद्र सरकार हमारे काम की उपेक्षा नहीं कर सकती। हमारे संगठन ने आंदोलन का नेतृत्व किया। मैं इस बात को लेकर आश्वस्त हूं कि प्रधानमंत्री हमसे सलाह लेंगे।
-शरद शर्मा, प्रवक्ता, विहिप

सरकार को चाहिए कि सभी न्यासों से प्रतिनिधियों को शामिल करके एक नया ट्रस्ट बनाए और इसकी निगरानी सरकार करे। अकेले यदि मंदिर का काम विश्व हिंदू परिषद को दिया जाता है तो हम इसका विरोध करेंगे।
-जन्मेजय शरण, अध्यक्ष, श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण न्यास

रामालय ट्रस्ट मंदिर निर्माण के ही लिए बना है। मंदिर निर्माण धर्माचार्यों के ही माध्यम से होना चाहिए। हमें किसी सरकारी मदद और हस्तक्षेप की जरूरत नहीं। सरकार ने मनमानी की तो हम न्यायालय भी जा सकते हैं।
-स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, रामालय ट्रस्ट

व्यक्तित्व

जोहाना रॉड्रिग्स : ब्रेक डांस की दुनिया में उभरता नाम

जनसत्ता संवाद

अब तक ब्रेक डांस की दुनिया में पुरुषों का वर्चस्व रहा है। वहीं बंगलुरु की जोहाना रॉड्रिग्स पुरुषों के वर्चस्व वाली इस दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। मुंबई में पिछले हफ्ते 'रेड बुल बीसी वन विश्व चैंपियनशिप' के 16वें संस्करण का आयोजन किया गया। जोहान रॉड्रिक्स ने इस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 'रेड बुल बीसी वन वर्ल्ड चैंपियन 2019' का खिताब हासिल करने के लिए इस बी-गर्ल यानी ब्रेक डांसर को 30 से अधिक देशों के 70 से अधिक ब्रेक डांसरों को टक्कर देनी थी, हालाकि वह विजेता नहीं रही और रूस की बी-गर्ल कास्टेट विश्व चैंपियन बनीं।

इसके बावजूद जोहान रॉड्रिक्स आज चर्चा में है। 'रेड बुल बीसी वन', दुनिया में सबसे बड़ी और सबसे प्रतिष्ठित ब्रेक डांस प्रतियोगिता है। यद्यपि भारत में पुरुष और महिला ब्रेक डांसरों की संख्या पर कोई सत्यापित आंकड़े नहीं हैं, लेकिन अनुमान है कि लगभग 800 पुरुष ब्रेक डांसरों पर सिर्फ 40 महिलाएं हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि जोहाना रॉड्रिग्स ने इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंच कर कितनी बड़ी मिसाल कायम की है। 23 वर्षीय जोहाना रॉड्रिग्स पेशे से योग प्रशिक्षक हैं और वह योग के साथ डांस को मिलाकर कर करती हैं। रॉड्रिग्स काफी समय से भारतीय शास्त्रीय नृत्य के साथ हेडस्टैंड (यानी सिर के बल खड़े हो जाना) और बैकफ्लिप्स का अभ्यास कर रही हैं। उन्होंने समकालीन नृत्य और बैले नृत्य का भी प्रशिक्षण लिया है। वह योग, कलारीपयट्टू की प्राचीन स्वदेशी मार्शल आर्ट और भरतनाट्यम नृत्य शैलियों को मिलाकर नृत्य पेश करती हैं। रोड्रिग्स के नृत्य का यही अंदाज उन्हें सबसे अलग बनाता है और इसी अंदाज की वजह से उन्हें चैंपियनशिप में जीत दर्ज नहीं कराने के बाद भी एक पहचान मिली है।

हालांकि जोहाना रॉड्रिग्स ने कभी भी ब्रेक डांसर बनने का सपना नहीं देखा था। वह बचपन से धावक बनने के सपने देखती थीं। वह जमैका के मशहूर धावक उसैन बोल्ट को आदर्श मानकर बड़ी हुई हैं। रॉड्रिग्स मानती हैं कि भारत में एक लड़की का ब्रेक डांसर होना बड़ी बात है। ऐसा करने के लिए मुझे मां से प्रेरणा मिली। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि आखिर क्यों लड़कियों को कम आंका जाता है, खासकर स्कूल में एथलेटिक्स में। मुझे यह फर्क समझ में नहीं आता, शायद इसलिए क्योंकि मैंने मां को वो सब करते देखा है जो पुरुष करते हैं। वह लाइटबल्ब लगाने, मोटरसाइकिल चलाने से लेकर खाना भी बनाती है। मैं हमेशा लड़कों से बेहतर बनना चाहती थी।'

रॉड्रिक्स दक्षिणी बेंगलुरु में एक स्कूली छात्रा थी। स्कूलों के दिनों में ही उन्हें एक बार हिप-हॉप डांस देखने का मौका मिला। डांस को देखते-देखते उन्हें डांस से लगाव हो गया। तब से वह नृत्य का अभ्यास करने लगी। कुछ नया और अलग करना चाहती थी इसलिए उन्हें योग के साथ इसे किया। नृत्य सीखने में उनके ब्रेक डांसर दोस्त ने मदद की। डांस सीखने के एक साल बाद ही उन्होंने सार्वजनिक मंच पर नृत्य किया, इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। आज वह सड़क, पार्क में किसी भी जगह पर बड़े आराम से नृत्य करती हैं। वह प्रतिक्रियां से नहीं डरती।